■ श्रावण कृष्ण - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 13 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 04-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बुमराह के पास अपने इशारे पर गेंद को नचाने की क्षमता : शास्त्री

6 से. लेटिनेंट राजीव संधू : लहूलुहान होने के बावजूद उग्रवादियों के खूंखार एजेंट को मार गिराया

7 वेदा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है : शरवरी

फर्स्ट टेक

देशवासियों से घरों पर तिरंगा लहराने की शाह ने अपील की

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को देशवासियों से अपील की कि वे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आगामी नौ से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा लहराकर इसकी सेल्फी 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड करें। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा त्याग, निष्ठा व शांति का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान आजादी के नायकों को याद करने, राष्ट्रप्रथम का संकल्प लेने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान बीते दो वर्षों से जन-जन का अभियान बन गया है। आगामी नौ से 15 अगस्त तक आप भी अपने घरों में तिरंगा लहराकर हर घर तिरंगा वेबसाइट पर अपनी सेल्फी अपलोड करें।

वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के सभी लाभार्थियों को मिलेगा मुफ्त राशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों के लोगों को शनिवार को मुफ्त राशन देने की घोषणा की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री जी आर अनिल ने कहा कि मुंडक्कई और चूरलमाला के लोगों को अगस्त महीने का राशन मुफ्त मिलेगा। फिलहाल प्राथमिकता वाले वर्ग को मुफ्त और गैर प्राथमिकता वाले वर्ग को उचित मूल्य पर राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्र में सभी वर्गों को मुफ्त में राशन उपलब्ध कराया जाएगा। केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुये भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 218 हो गई है।

पांच महिलाओं से शादी करने और 49 अन्य को शादी का प्रस्ताव देने वाला ठग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर में 34 वर्षीय व्यक्ति को बिना किसी को तलाक दिए पांच महिलाओं से शादी करने और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनसे लाखों रुपये ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान यह भी पता चला कि आरोपी सत्यजीत सामल वैवाहिक वेबसाइट पर 49 अन्य महिलाओं को शादी के प्रस्ताव दे चुका था। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त संजीव पांडा ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दो महिलाओं से अलग-अलग शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने एक महिला अधिकारी की मदद से जाल बिछाया और जब सामल उनसे मिलने आया तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

04-08-2024	05-08-2024
सूर्यास्त 6:34 बजे	सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
80,981.95	24,717.70
(-885.59)	(-293.20)

सोना	चांदी
7,112 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये राजनीति वाले

राजनीति करने वाले क्या,
हैं जनसेवक सब सच्चे?
कैसे कुछ सालों में होते,
इन के सारे ही दिन अच्छे?
सेवा की सेवादारी लख,
धनपति भी खा जाते गच्चे।
इन सब को देख-देख करके,
उड़ते जन गण के परखच्चे।।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए समाधान उपलब्ध कराने हेतु कार्य कर रहा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत एक खाद्य अधिशेष देश बन गया है और वह वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। खाद्य अधिशेष से मतलब देश में उपभोग से ज्यादा खाद्यान्न उपलब्ध होने से है।

भारत में 65 वर्षों के बाद आयोजित किए जा रहे कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश का आम बजट 2024-25 पर्यावरण अनुकूल खेती पर केंद्रित है। मोदी ने कहा कि पिछली बार जब भारत ने इस सम्मेलन की मेजबानी की थी, तब उसे आजादी मिले ज्यादा समय नहीं हुआ था और वह दौर देश में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण दौर था। उन्होंने कहा, भारत अब एक खाद्य अधिशेष देश है। यह दुनिया में दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा, भारत खाद्यान्न, फल, सब्जी, कपास, चीनी और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया है।

■ **खाद्य प्रणाली परिवर्तन पर चर्चा के लिए भारत का अनुभव मूल्यवान है और इससे वैश्विक दक्षिण को लाभ होगा।**

प्रधानमंत्री ने कहा, एक दौर था, जब भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का सबब थी। अब, भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। मोदी ने कहा कि इसलिए खाद्य प्रणाली परिवर्तन पर चर्चा के लिए भारत का अनुभव मूल्यवान है और इससे वैश्विक दक्षिण को लाभ होगा।

कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया के 70 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स' की ओर से यह त्रिवार्षिक सम्मेलन दो से सात अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय पनडुब्बी आईएनएस शाल्कि श्रीलंका पहुंची

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पनडुब्बी आईएनएस शाल्कि श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते समुद्री सुरक्षा सहयोग को दर्शाता है। भारतीय नौसेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने बताया कि शिशुमार श्रेणी की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी दो अगस्त को कोलंबो पहुंच गई है। भारत उन चुनिंदा देशों को पनडुब्बियां भेजता है जिनके साथ उसके करीबी रक्षा और रणनीतिक संबंध हैं। भारतीय पनडुब्बी का कोलंबो दौरा चीन द्वारा द्वीप राष्ट्र पर अपने सामरिक और सैन्य प्रभाव को बढ़ाने के लगातार प्रयासों की पृष्ठभूमि में हुआ है। शुक्रवार को आगमन पर श्रीलंका की नौसेना द्वारा पनडुब्बी का औपचारिक स्वागत किया गया। आईएनएस शाल्कि को सात फरवरी 1992 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। यह भारत में निर्मित पहली पनडुब्बी है।

राष्ट्र निर्माण में सामूहिक योगदान देना होगा : कोविंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि देश अमृत काल के प्रारम्भ से गुजर रहा है और भारत को एक बार फिर विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को राष्ट्र निर्माण में सामूहिक रूप से योगदान देना होगा। कोविंद ने यहां सेठ आनंदराम जैपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा विश्व गुरु के रूप में भारत का उदय नया युग, नई उचाइयां विषय पर आयोजित पांचवें डॉ. राजाराम जैपुरिया मेमोरियल लेक्चर में भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और वैज्ञानिक विरासत को छूते हुए, भारत के गौरवशाली अतीत के बारे में विस्तार से बात की।

उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की विशाल क्षमता को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, भारत ने दुनिया को शून्य और दशमलव की अवधारणा दी है। प्राचीन काल के कई महान भारतीय विचारकों ने दुनिया भर में विज्ञान, गणित और आध्यात्मिकता में एक अमिट छाप छोड़ी है। अगर हम आज अपने देश को देखें तो हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम सर्वश्रेष्ठ में से एक है।

हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गए हैं, मंगल ग्रह पर एक ऑर्बिटर भेजा है और मिशन आदित्य एल1 के माध्यम से सूर्य का अध्ययन कर रहे हैं। हमारे पास एक संपन्न डिजिटल अर्थव्यवस्था है।

स्वदेशी 4जी नेटवर्क तैयार, इसे 5जी में बदलने का काम चल रहा है : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर (मध्य प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी का घरेलू 4जी नेटवर्क भी तैयार है और इसे 5जी में बदलने का काम चल रहा है।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी तकनीक वाला 4जी नेटवर्क तैयार है और कुछ महीनों में बीएसएनएल के माध्यम से इसकी सेवाएं पूरे देश में उपलब्ध होंगी। सिंधिया ने कहा, कई लोगों ने पूछा था कि जब जियो, एयरटेल और वोडाफोन ने 4जी नेटवर्क शुरू किया तो बीएसएनएल ने क्यों नहीं? यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प था कि अगर हमें सरकारी कंपनी का नेटवर्क विकसित करना है तो हम चीन या किसी अन्य विदेशी देश के उपकरणों का उपयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया कि स्वदेशी तकनीक विकसित की जाएगी।

सिंधिया ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत संकल्प लिया है कि भारत अपना खुद का 4जी स्टैक, कोर सिस्टम या टावर विकसित करेगा जिसे रेडिएशन एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) कहा जाता है। भारत अपनी तकनीक विकसित करेगा और देशवासियों को 4जी नेटवर्क देगा और इसमें हमें डेढ़ साल लग गए। भारत अपनी स्वदेशी तकनीक रखने वाला पांचवां देश बन गया है। टावर लगाने का काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि तेजस नेटवर्क, सी-डॉट और टीसीएस जैसी भारतीय कंपनियां विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं और बीएसएनएल इसे लागू कर रहा है।

एसएसबी के महानिदेशक चौधरी को बीएसएफ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

नई दिल्ली/भाषा। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। केंद्र ने शुक्रवार को बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) नितिन अग्रवाल और उनके डिप्टी विशेष डीजी (पश्चिम) वाई बी खुरानिया को तत्काल प्रभाव से उनके मूल राज्य कैडर में वापस भेज दिया था। अग्रवाल 1989 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी चौधरी बीएसएफ महानिदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार ''इस पद पर नियमित तौर पर नियुक्ति होने तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो'' संभालेंगे''।

जायजा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को नमक्कल जिले में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। कावेरी नदी के उफान पर होने से नदी के किनारे स्थित निचले इलाकों में पानी भर गया है। स्टालिन ने यहां राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया और राज्य एवं जिला अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की तथा उन्हें लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए उचित कदम उठाने की सलाह दी। उन्हें बताया गया कि जिले में 11 राहत शिविर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और लगभग 1,086 लोगों को शिविरों में स्थानांतरित किया गया है। स्टालिन के साथ मुख्य सचिव शिवदास मीणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

न्यायिक प्रक्रिया से लोग इतने तंग आ चुके हैं कि वे महज समझौता चाहते हैं : प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोग अदालतों के मामलों से 'इतने तंग' आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं।

लोक अदालतें ऐसा मंच हैं जहां न्यायालयों में लंबित या मुकदमेबाजी से पहले के विवादों और मामलों का निपटारा या सौहार्दपूर्ण ढंग से समझौता किया जाता है। पारस्परिक रूप से स्वीकृत समझौते के विरुद्ध कोई अपील दायर नहीं की जा सकती।

चंद्रचूड़ ने उच्चतम न्यायालय में विशेष लोक अदालत सप्ताह के उपलक्ष्य में कहा, लोग इतना परेशान हो जाते हैं अदालत के मामलों से कि वे कोई भी समझौता चाहते हैं... बस अदालत से दूर करा दीजिए। यह प्रक्रिया ही सजा है और यह हम सभी न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें हर स्तर पर लोक अदालत के आयोजन में बार और बेंच सहित सभी से जबरदस्त समर्थन और सहयोग मिला।

वायनाड में तलाश और बचाव अभियान अंतिम चरण में

206 लोग अब भी लापता: पिनराई विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को कहा कि आपदा प्रभावित वायनाड में तलाश और बचाव अभियान अपने अंतिम चरण में है, लेकिन 206 लोग अब भी लापता हैं। विजयन ने यहां पत्रकारों से कहा कि चलियार नदी से बरामद शवों और मानव अंगों की पहचान करने में समस्या है। उन्होंने कहा, वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 215 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें 87 महिलाएं, 98 पुरुष और 30 बच्चे शामिल हैं। अब तक 148 शव सौंपे जा चुके हैं और 206 लोग लापता हैं। विभिन्न अस्पतालों में 81 लोगों का इलाज जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 67 शवों की अभी पहचान नहीं हो पाई है और पंचायतें उनका अंतिम संस्कार करेंगी।

विजयन ने बताया कि एक सुरक्षित क्षेत्र की पहचान की जाएगी और वहां एक टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान जारी है, जिसमें अग्निशमन बल, एनडीआरएफ, वन विभाग, पुलिस, भारतीय सेना और तमिलनाडु के स्वयंसेवियों के 1,419 कर्मी शामिल हैं।

पुनर्वास प्रयासों का उल्लेख करते हुए विजयन ने कहा कि एक सुरक्षित क्षेत्र की पहचान की जाएगी और वहां एक टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री क्षेत्र में नष्ट हुए स्कूलों का दौरा करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो।

विजयन ने कहा कि चूरलमाला में 866 पुलिस अधिकारी तलाशी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

कांग्रेस का दावा

लोकसभा में भाजपा ने 79 सीटें हेराफेरी से जीती

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेराफेरी कर 79 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में 'वोट फॉर डेमोक्रेसी' नाम की संस्था की रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि इस संस्था ने लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर विभिन्न तरीकों से एक विश्लेषण किया है। उन्होंने कहा कि संस्था के विश्लेषक के मुताबिक घोषित परिणामों के आंकड़ों और अंतिम मतदान प्रतिशत में बड़ा अंतर है और राष्ट्रीय स्तर पर यह अंतर 4.7 प्रतिशत का है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव होते हैं तो हर दो घंटे के मतदान के बाद चुनाव आयोग मतदान प्रतिशत का आंकड़ा भेजता है लेकिन इस बार आयोग ने हर चरण के मतदान के कई दिन बाद वोटिंग परसेंटेज दिया है।

आईएसएस के मिशन के लिए दो भारतीय अंतरिक्ष यात्री चयनित

चेन्नई/एजेन्सी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के आगामी एक्सिओम-4 मिशन के लिए दो अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर को चुना गया है। यह जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान सगठन (इसरो) ने शनिवार को दी। इसरो के मुताबिक दोनों को अमेरिका में प्रशिक्षण दिया जायेगा और इसके बाद इन्हें बहुपक्षीय क्रू ऑपरेशन पैनल (एमसीओपी) द्वारा आईएसएस के लिए उड़ान भरने की अंतिम मंजूरी दी जाएगी।

इसरो ने बताया है कि एक्सिओम-4 मिशन आईएसएस के लिए चौथा निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है। इसरो के अनुसार जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान में आईएसएस के लिए इसरो-नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के संयुक्त प्रयास की परिकल्पना की

ईरान ने इजराइल पर जवाबी कार्रवाई का संकल्प लिया

यरूशलम/एपी। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने कहा है कि हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनिया की हत्या कम दूरी वाले एक रॉकेट हमले के जरिये की गई और अमेरिका पर इस इजराइली हमले का समर्थन करने का आरोप लगाया। सरकारी टीवी में शनिवार को आई खबर में यह कहा गया है। टीवी पर प्रसारित बयान में कहा गया है कि बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में, सात किलोग्राम के आयुध के साथ एक रॉकेट का इस्तेमाल हमास के राजनीतिक प्रमुख के आवास को निशाना बनाने में किया गया।

बयान के अनुसार, हमले में भारी तबाही हुई, लेकिन स्थान का विवरण साझा नहीं किया गया है। हनिया, ईरान के नव निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए ईरान में था। रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने बयान में कहा, ''इस कार्रवाई की योजना यहूदी शासन ने बनाई थी और अमेरिका द्वारा समर्थित थी।''

सोमालिया में होटल पर आतंकवादी हमले में 32 लोगों की मौत

मोगादिशु,/एजेन्सी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में समुद्र तट के किनारे स्थित एक होटल पर शुक्रवार शाम अल-शबाब आतंकवादियों के हमले में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गयी और 61 अन्य घायल हो गए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने शनिवार की सुबह हमले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मोगादिशु में लीडो बीच होटल समुद्र तट पर स्थित होटलों और रेस्तराओं से घिरा एक लोकप्रिय हैंगआउट स्थल है और जहां सरकारी अधिकारी और व्यवसायी अक्सर आते-जाते रहते हैं। यहां कल शाम आतंकवादियों ने हमला किया। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया और होटल के अंदर विस्फोटकों में विस्फोट करने के बाद एक आत्मघाती हमलावर मारा गया। सुरक्षा बलों ने समुद्र तट के किनारे स्थित होटल में फंसे कई नागरिकों को निकाला और इलाके में खड़ी विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया।

स्थानीय मीडिया पर साझा किये गये वीडियो में कई लोग समुद्र तट पर मृत अथवा बुरी तरह घायल पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं और कुछ लोग मदद के लिए पुकारते नजर आ रहे थे।

तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान का आयोजन आज से

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में होगा कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में रविवार को पुष्य नक्षत्र के विशिष्ट योग में तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान का विराट आयोजन होने जा रहा है। भगवान महावीर के छठे उत्तराधिकारी आर्य भद्रबाहुस्वामी के ग्रहशांति स्तोत्रकल्प पर आधारित शहर में आयोजित हो रहा यह अपने तरीके का पहला अनुष्ठान है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मंगलकारी रविपुष्य योग में सभी साधकों को गुरुमुख से मंत्रदान दिया जायेगा। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि करीब दो हजार वर्ष प्राचीन 27 विधानों के आधार पर यह अनुष्ठान सम्पन्न होगा।

नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने शनिवार को अनुष्ठान के बारे में जानकारी देते हुए आचार्यश्री ने बताया कि नवग्रह की मान्यता सिर्फ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी बड़ी मात्रा में देखी जाती है। ग्रह जातक के शुभाशुभ जीवन का फलादेश करते हैं। ग्रहों की स्थिति, अवस्था, समय, गति, गोचर आदि को लेकर सटीक भविष्यवाणियां की जा सकती हैं। हस्तरेखा, गणित और जन्मपत्रिका के फलित का अत्यंत रोचक विज्ञान है। भविष्य से अनभिज्ञ मनुष्य के लिए यह रसप्रद आकषर्क विषय है। कर्म के अनुसार ग्रहों का शुभाशुभ फल प्राप्त होता है। पूजन, अनुष्ठान, हवन, मंत्रजाप आदि के द्वारा फल को प्रभावित किया जा सकता है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि सभी साधकों को गुरुपुष्य योग में विधि पूर्वक निर्मित ताम्रयंत्र प्रदान किये जायेंगे। प्रवीण दांतेवाड़िया ने जानकारी दी कि अनेक साधक मुम्बई, बेंगलूरु, सूरत, पुणे, हिरियूर, दावणगेरे, चलकेरे और चेन्नई से भी यहां पहुंचे हैं।शुभ मुहूर्त में श्रमणों के मंत्रोच्चारण पूर्वक क्षेत्रपाल देव, अखंड ज्योत, मंगल कलश तथा नवग्रहों की स्थापना विधि संपन्न हुई।

राजाजीनगर तेरापंथ महिलाओं ने समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत बढ़ाए कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना बढ़ते कदम विकास की ओर के अंतर्गत गवर्नमेंट हाई स्कूल जुगन्नाहली में स्कूल संरक्षण प्रोग्राम का आयोजन किया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया। तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान कौशल और मूल्यों के साथ सशक्त बनाना है ताकि वह भविष्य में सफल और जिम्मेदार नागरिक बन सके। महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि कहा कि की स्कूल को संरक्षण में लेकर विकास की तरफ अग्रसर करें।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य से मधु कटारिया, माला कातरेला, अनिता बरडिया भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया और राष्ट्रीय कैंसर संयोजिका अनीता बरडिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। गवर्नमेंट हाईस्कूल में मंडल की ओर से ठंडा और गर्म पानी की डिस्पेंसर मशीन, 10 बैंचेस, टी-शर्ट, नोटबुक्स, स्टेशनरीज, स्पोर्ट्स आइटम्स फर्स्ट एड किड्स, हाइजीन आइटम्स भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने आभार प्रकट किया। संयोजिका रंजीत बोथरा और स्नेहा चौरडिया ने व्यवस्था संभाली। इस मौके तेरापंथ महिला व कन्या मंडल और नवयुवती सदस्याएं उपस्थित थीं।

बीएचईएल को पहले मेथनॉल फायरिंग के प्रदर्शन का ऑर्डर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को केरल के अलाप्पुझा जिले में स्थापित एनटीपीसी के 350 मेगावाट कायमकुलम कंबाइंड साइकिल पावर प्लांट (सीसीपीपी) में गैस टरबाइन में मेथनॉल फायरिंग के प्रदर्शन के लिए पहला ऑर्डर मिला है। यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना होगी।

गौरतलब है कि यह प्रदर्शन देश में अप्रयुक्त गैस टरबाइन सेटों को पुनर्जीवित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा जो प्राकृतिक गैस और नेफ्था की अनुपलब्धता के कारण निष्क्रिय हैं। कयामकुलम सीसीपीपी जिसमें 115 मेगावाट की दो गैस टर्बाइन और 120 मेगावाट की एक स्टीम टरबाइन शामिल है, को 1998-99 में टर्न-की आधार पर बीएचईएल द्वारा स्थापित किया गया था।

अनुबंध में बीएचईएल के दायरे में प्रौद्योगिकी सहायता, उपकरण की आपूर्ति, निर्माण और कमीशनिंग के साथ संबंधित सहायक उपकरण शामिल हैं। मेथनॉल फायरिंग प्रदर्शन की योजना दो चरणों में बनाई गई है। 12 महीने की अवधि के पहले चरण में, मशीन के 30-40 प्रतिशत लोड पर मेथनॉल फायरिंग प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। प्रथम चरण के सफल प्रदर्शन के बाद दूसरे चरण में 100 प्रतिशत लोड पर प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। बीएचईएल ने फिलहाल पहले चरण का ऑर्डर सुरक्षित कर लिया है।

परियोजना के लिए टैंक, अग्नि सुरक्षा और जांच प्रणाली, पाइपिंग,निर्माण और कमीशनिंग जैसे प्रमुख उपकरण प्रौद्योगिकी सहायता के साथ बीएचईएल की हैदराबाद स्थित इकाइयों द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

यादगीर जिले में युवा पुलिस सब-इंस्पेक्टर की मौत, जांच के आदेश

यादगीर। कर्नाटक के यादगीर जिले में एक युवा पुलिस सब-इंस्पेक्टर की रहस्यमय हालात में मौत से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पीएसआई की पत्नी श्वेता ने कांग्रेस विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर और उनके बेटे पर उनके पति को मानसिक रूप से परेशान करने और उनका स्थानांतरण रोकने के लिए 30 लाख रुपए की मांग करने का आरोप लगाया है। मृतक पीएसआई 34 वर्षीय परशुराम की शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। श्वेता ने यादगीर टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और दलित संगठनों के साथ मिलकर अपने पति की मौत की जांच की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। यादगीर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 352, 108, 3(5) और एससी और एसटी की धारा 3(2), 3(1) के तहत एफआईआर दर्ज की है। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

सहज स्मृति योग

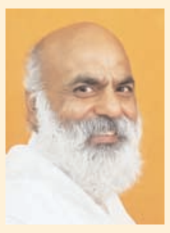

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, नाम और ब्रांड में क्या, अंतर है ?

उत्तर: नाम, तत्वत: मानवी-माध्यम से दिव्यता को सकारात्मक-चैतन्य ऊर्जा के रूप में आंदोलित कर प्रकट रूप में, सृष्टि-सापेक्ष प्रभाव और भाव उत्पन्न करने के लिए, पूँजीभूत या साकार किए जाने का ज्ञान और विज्ञान है। नाम 'तत्वत:' एक है (क्योंकि तात्त्विक अवस्था में द्वैत का प्रवेश असंभव है)पर नाम के रूप/स्तर अनेक हैं।जबकि ब्रांड किसी अमूर्त गुण-धर्म विचार आदि को किसी मूर्त वस्तु आदि में आरोपित करने की प्रक्रिया है जिसका स्तर एक ही होता है अनेक नहीं।

भारत में विकास रणनीति का मुख्य केंद्र बिंदु कृषि: नीति आयोग सदस्य रमेश चंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कृषि विकास रणनीति का एक प्रमुख केंद्र बिंदु रहा है और देश ने 2016-17 से 2022-23 तक के सात वर्षों के दौरान कृषि क्षेत्र में पांच प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर हासिल की है। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने शनिवार को यह बात कही।

कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) को संबोधित करते हुए चंद ने कहा कि विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने पिछले 10 वर्षों में दुनिया में कृषि जीडीपी में सबसे अधिक वृद्धि दर हासिल की है। उन्होंने कहा, भारत में कृषि विकास रणनीति का एक प्रमुख क्षेत्र रहा है और देश ने 2016-17 से 2022-23 तक की सात वर्ष की अवधि के दौरान ऐतिहासिक रूप से पांच प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर हासिल की है। कृषि अर्थशास्त्री ने बताया कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का हिस्सा 2006 में 3.2 प्रतिशत से बढ़कर हाल के वर्षों में 4.3 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा, पिछले 15 वर्षों में कृषि वृद्धि ने कई देशों को आर्थिक पतन से बचाया है। कृषि से श्रम शक्ति को बाहर निकालने में उद्योग के खराब प्रयासों के कारण, बड़े कार्यबल के लिए लाभकारी रोजगार का दायित्व अभी भी कृषि पर बना हुआ है। उनके अनुसार, कृषि में हाल की उपलब्धियां और अवसर भारत और विश्व के भविष्य के विकास में कृषि की और भी बड़ी भूमिका की ओर इशारा कर रहे हैं। चंद ने कहा कि इन सभी चुनौतियों के कारण आर्थिक और मानव विकास में कृषि की भूमिका को नए सिरे से समझना तथा सभी स्तरों पर कृषि पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना आवश्यक हो गया है।

संगीतकार की शिकायत: एयर इंडिया ने बिजनेस क्लास की जगह इकनॉमी क्लास में बैठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज ने शनिवार को शिकायत की कि एयर इंडिया ने मुंबई-बेंगलूरु उड़ान के लिए उनके बिजनेस क्लास के टिकट को निचली श्रेणी में बदल दिया। दूसरी ओर एयरलाइन ने अपनी सफाई में कहा कि तकनीकी कारणों से विमान को पूरी तरह इकनॉमी क्लास में बदल दिया गया था।

एयरलाइन ने आखिरी मिनट की रुकावट के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि नियमों के अनुसार रिफंड शुरू कर दिए गए हैं। केज ने शनिवार की सुबह सोशल मीडिया पर कहा कि उनके बिजनेस क्लास के टिकट को निचली श्रेणी के टिकट में बदल दिया गया और एयरलाइन के कर्मचारी ने उनके साथ गलत व्यवहार किया। उन्होंने कहा, वाह.. एक साल में मेरे साथ ऐसा तीसरी बार हो रहा है। मैंने एयर इंडिया पर मुंबई से बेंगलूरु के लिए बिजनेस क्लास टिकट बुक किया और उसका भुगतान किया। उन्होंने एक्स में एक पोस्ट में कहा, जब मैं प्रस्थान द्वार पर पहुंचा, तो कर्मचारी ने मुझे बेरहमी से बताया कि मुझे (बिना किसी कारण के) निचली श्रेणी में भेज दिया गया है और वे मुझे रिफंड नहीं दे सकते।

संगीतकार ने यह भी कहा, अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण परिचालन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन इसके लिए तेजी से और प्रभावी समाधान न देना पूरी तरह से अपराध है... और एक प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए यह उचित नहीं है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि तकनीकी कारणों से आज सुबह मुंबई से बेंगलूरु के लिए उड़ान भरने वाले विमान को पूरी तरह से इकनॉमी क्लास में बदल दिया गया।

प्रवक्ता ने कहा, बिजनेस क्लास में बुक किए गए सभी यात्रियों को बदले गए विमान की पहली पंक्ति में जगह दी गई और बीच में एक सीट खाली रखी गई।

मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है: मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को मध्यस्थता को प्राचीन भारतीय संस्कृति का हिस्सा बताते हुए महाभारत की कहानियों का हवाला दिया। उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने की शक्ति विवादों को सुलझाने में मदद करती है।

शादी से जुड़े विवादों को निपटाने में लोक अदालतों की भूमिका की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि पहले जो काम परिवार के बुजुर्ग करते थे, अब वह वैकल्पिक विवाद समाधान व्यवस्था द्वारा किया जा रहा है।

मेघवाल ने कहा कि पहली लोक अदालत भगवान कृष्ण ने आयोजित की थी, जब उन्होंने कौरवों और पांडवों के बीच विवाद को सुलझाने की कोशिश की थी। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियों को भी उद्धृत किया कि कैसे भगवान कृष्ण ने शांतिपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश की। स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उच्चतम न्यायालय ने मुआवजा, भूमि अधिग्रहण, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, वैवाहिक विवादों के निपटारे के लिए एक विशेष लोक अदालत सप्ताह का आयोजन किया है। मेघवाल ने कहा कि एक हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा किया गया।

'आत्मनिर्भर' पर जोर से अकुशल आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए: रंगराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने शनिवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति में व्यवधान के कारण कई देशों ने 'महत्वपूर्ण आयात' के संबंध में आत्मनिर्भर होने के बारे में सोचना शुरू कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि भारत को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि 'आत्मनिर्भर' पर जोर से अकुशल 'आयात प्रतिस्थापन' को बढ़ावा न मिले।

सरल शब्दों में आयात प्रतिस्थापन का अर्थ आयातित वस्तुओं को घरेलू उत्पादों से बदलना है। उन्होंने आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की वृद्धि रणनीति बहुआयामी होनी चाहिए।

रंगराजन ने कहा कि निवेश दर बढ़ाकर, कृषि, विनिर्माण और सेवाओं पर जोर देकर, नई तकनीकों को आत्मसात करके और रोजगार के अनुकूल क्षेत्रों के मिश्रण को बढ़ावा देकर वृद्धि को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि बेरोजगारी बढ़ना निश्चित रूप से चिंता का विषय है, लेकिन नई प्रौद्योगिकियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वृद्धि के बिना रोजगार सृजन भी उतना ही बुरा है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में सबसे कठिन चुनौती होने जा रहा है। उनके अनुसार हालांकि भारत को अपनी उपलब्धियों को कमतर आंकने की जरूरत नहीं है, और उच्च शिक्षा को मजबूत करना चाहिए।

एमयूडीए घोटाला बिल्कुल स्पष्ट, राज्यपाल भी इस पर आश्वस्त : शिकायतकर्ता टीजे अब्राहम

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। राज्यपाल ने सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की शिकायत के आधार पर एक्शन लिया है। कांग्रेस ने इस मामले में टीजे अब्राहम के नाम पर आपत्ति जताई है और कहा है कि टीजे अब्राहम को शिकायत करने की आदत है। इस पर अब्राहम ने कहा, मैंने कई शिकायत फाइल की है और मेरे ऊपर आरोप भी लगे हैं। वह आरोप गलत हैं या नहीं, यह तय करने का अधिकार कोर्ट को है। मैं यह कहना चाहता हूं कि मैंने गवर्नर से अनुरोध किया, मैंने जो भी दावे किए, उसमें मैं कहां पर गलत हूं? अगर मेरी शिकायत में कुछ नहीं है, तो इतनी हलचल क्यों हो रही है? टीजे अब्राहम से जब पूछा कि कांग्रेस ने गवर्नर से कहा है कि इस शिकायत पर गौर नहीं किया जाए, तो अब्राहम ने बताया कि राज्यपाल ऐसे किसी अनुरोध से नहीं बंधे हैं, राज्यपाल नियम से बंधे हैं। राज्यपाल शिकायत पर संबंधित आरोपी को नोटिस जारी करते हैं, और फिर तय होता है कि मामले पर क्या चार्ज लगाया जाएगा।

उद्धव ने भाजपा पर 'सत्ता जिहाद' में लिप्त होने का आरोप लगाया, शाह पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए पार्टी पर सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को तोड़कर ''सत्ता जिहाद'' में लिप्त होने का आरोप लगाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ठाकरे पर किए गए 'औरंगजेब फैन क्लब' वाले कटाक्ष को लेकर पलटवार करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने शाह को अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज बताया, जिसने पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठा को हराया था। यहां शिव संकल्प रैली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' जैसी योजनाओं के रूप में मतदाताओं को रेवड़ियां देकर रिश्वत देने का आरोप लगाया। इस योजना के तहत राज्य की पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपए मिलेंगे।

भाजपा पर पार्टियां तोड़ने का आरोप लगाते हुए ठाकरे ने कहा, अगर मुसलमान हमारे साथ हैं, क्योंकि हमने उन्हें अपना हिंदुत्व समझाया है, तो हम (भाजपा के अनुसार) औरंगजेब फैन क्लब हैं। फिर आप जो कर रहे हैं, वह सत्ता जिहाद है। पिछले महीने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान शाह ने ठाकरे पर हमला करते हुए उन्हें ''औरंगजेब फैन क्लब का प्रमुख'' करार दिया था, जो ''उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए माफी मांगी थी। ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को चुनौती दी थी कि ''या तो आप रहेंगे या मैं (राजनीति में) रहूंगा। इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि उन्होंने किसी व्यक्ति का संदर्भ नहीं दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोगों को लगा कि मैंने किसी को चुनौती दी, लेकिन मैं खटमलों को चुनौती नहीं देता। यहां 'मैं' का मतलब मेरा सभ्य महाराष्ट्र है और 'आप' का मतलब महाराष्ट्र को लूटने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि खटमलों को चुनौती नहीं दी जानी चाहिए, बल्कि कुचल दिया जाना चाहिए।

संसद के नए भवन से पानी टपकने की तस्वीरों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए ठाकरे ने कहा कि नए परिसर में सिर्फ 14 महीनों में ही 'लीकेज' शुरू हो गया है। ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री पूछते हैं कि कांग्रेस ने 60-70 साल में क्या किया, लेकिन मोदी को यह बताना चाहिए कि संसद की नई इमारत, जो बमुश्किल एक साल पहले बनी थी, में 'लीकेज' क्यों शुरू हुआ। उन्होंने कहा, यह (केंद्र की) सरकार लीकेज सरकार है। पेपर लीक भी हो रहे हैं। ठाकरे ने भाजपा पर जातियों के बीच विभाजन पैदा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह वह हिंदुत्व नहीं है जो छत्रपति शिवाजी ने हमें सिखाया था। यह (जिसे भाजपा ने अपनाया है) औरंगजेब ने सिखाया होगा, जिस पर हम विश्वास नहीं करते। हमारा हिंदुत्व छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र धर्म को आगे बढ़ाता है। अपने खिलाफ बगावत करने वाले विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के मामले में फैसला आने में हो रही देरी को लेकर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने कहा, हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। इसका नतीजा 5 से 50 साल में आएगा। (विधानसभा) का कार्यकाल खत्म हो रहा है। अगर वे (बागी विधायक) अयोग्य ठहराए भी जाते हैं, तो वे चुनाव लड़ सकते हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने यह भी कहा कि लोकतंत्र की दिनदहाड़े 'हत्या' की जा रही है लेकिन जनता की अदालत में न्याय होगा।

मानसून के दौरान गड्ढों से भरी सड़कों के बारे में उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पर निशाना साधा।

ठाकरे ने कहा, मुंबई, पुणे और अन्य शहरों सहित हर जगह गड्ढे हैं। गडकरी ने एक बार कहा था कि वे ऐसी सड़कें बनवाएंगे कि 200 साल बाद भी उन पर एक भी गड्ढा नहीं होगा। लेकिन सड़कों की हालत को देखते हुए गडकरी को 'खड्डे पुरुष' का पुरस्कार दिया जाना चाहिए। मुंबई-गोवा हाईवे अभी भी निर्माणाधीन है।

उद्धव की टिप्पणी से पता चलता है, वह औरंगजेब फैन क्लब के सदस्य हैं : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ उद्धव ठाकरे की टिप्पणी ने शिवसेना नेता की ''औरंगजेब फैन क्लब'' के सदस्य के रूप में साख स्थापित कर दी है। फडणवीस, ठाकरे द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने शाह को अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज बताया था। अहमद शाह अब्दाली अफगान राजा था, जिसने पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठों को हराया था।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, अमित शाह ने औरंगजेब फैन क्लब के बारे में बात की थी। उद्धव ठाकरे ने आज साबित कर दिया कि वह वास्तव में औरंगजेब फैन क्लब से हैं।

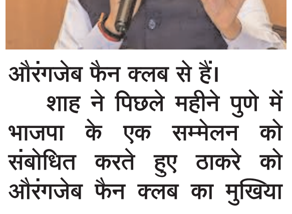

शाह ने पिछले महीने पुणे में भाजपा के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का मुखिया करार दिया था, जो 1993 के मुंबई शृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए माफी की मांग करने वाले लोगों के साथ बैठे हैं।

शाह का इशारा 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद ठाकरे के भाजपा से नाता तोड़ने और कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अविभाजित) के साथ हाथ मिलाकर महा विकास आघाडी की सरकार बनाने की ओर था, जो जून 2022 में गिर गई।

शनिवार को पुणे में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने अपनी पूर्व सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को तोड़कर सत्ता जिहाद में लिप्त होने का आरोप लगाया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा, हमारे हिंदुत्व के बारे में समझाने के बाद अगर मुसलमान हमारे साथ हैं, तो हम (भाजपा के अनुसार) औरंगजेब फैन क्लब हैं। फिर आप जो कर रहे हैं, वह सत्ता जिहाद है।

वायनाड में बचाव अभियान पांचवें दिन भी रहा जारी, मलबे में लोगों की तलाश में जुटे 1,300 से अधिक बचावकर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल में भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में तलाश अभियान शनिवार को पांचवें दिन भी जारी है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए 1,300 से अधिक बचावकर्मियों, भारी मशीनों और अत्याधुनिक उपकरणों को क्षेत्र में तैनात किया गया है। वायनाड में मंगलवार को तड़के भारी बारिश के बाद बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 210 लोगों की मौत हो गई और 273 अन्य घायल हो गए। लगभग 300 लोगों के लापता होने की आशंका है।

तलाश एवं बचाव अभियान के संचालन में विशेषज्ञता रखने वाली निजी कंपनियां और स्वयंसेवक भी सेना, पुलिस और आपातकालीन एजेंसियों के नेतृत्व वाले अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। भूस्खलन के कारण मुंडक्कई और चूरलमाला के आवासीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बड़े पत्थर और पेड़ गिरे हैं, जिससे मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने में मुश्किल हो रही है।

जिला प्रशासन ने शुक्रवार को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों को अलग-अलग जोन में विभाजित किया था, जीपीएस की मदद से उन संभावित जगहों का मानचित्रण किया था जहां बचाव कार्य की जरूरत है, हवाई मार्ग से तस्वीरें ली थीं और सेल फोन का लोकेशन डेटा एकत्र किया था। प्रशासन ने मलबे के नीचे दबे शवों की तलाश के लिए गहराई से सिग्नल एकत्र करने वाले रडार और खोजी कुत्तों की मदद ली। मलबे से निकाले जाने वाले जीवित लोगों की मदद के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में चिकित्सक और एंबुलेंस तैनात की गई हैं। सेना का बनाया 190 फुट लंबा बेली पुल बृहस्पतिवार को वायनाड जिला प्रशासन को सौंप दिया गया और यह बचाव अभियान में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

इससे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में भारी मशीनें और एंबुलेंस भेजना संभव हो पाया है। वायनाड, मलप्पुरम और कोझिकोड जिलों से होकर बहने वाली चालियार नदी के 40 किलोमीटर के इलाके में भी बचाव अभियान जारी है। इस नदी और उसके किनारों से सौ से अधिक शव और शरीर के अंग बरामद किए गए हैं।

केरल भूस्खलन : राज्य सरकार ने शवों को दफनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में और अधिक शवों तथा मानव अंगों के बरामद होने के कारण राज्य सरकार ने शवों को दफनाने के लिए डीएनए और दांतों के नमूने एकत्र करने सहित अन्य दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रभावित इलाकों से मिले शवों में से अनेक की पहचान नहीं हो पाई है।

आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक शव या शरीर के अंग को एक पहचान संख्या दी जाएगी और इसका सभी नमूनों, तस्वीरों, वीडियो और शवों से संबंधित भौतिक वस्तुओं के रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा।

इसमें कहा गया कि पुलिस शवों या मानव अंगों की पहचान के लिए हर संभव प्रयास करेगी और यदि इसके बाद भी शवों की पहचान नहीं हो पाई तो वे जांच के 72 घंटे बाद शव को आगे की कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन को सौंप देंगे।

दो अगस्त को जारी किए गए दिशा-निर्देशों में कहा गया, ''जिला प्रशासन मेप्पाडी पंचायत और उस पंचायत या नगरपालिका को सूचित करेगा जिसमें श्मशान घाट स्थित है। ऐसे मामलों में जहां संबंधित चिकित्सक ने लिखित रूप से सलाह दी है कि सड़न या अन्य कारण से शव को तत्काल दफना दिया जाए, वहां शव को बिना किसी प्रतीक्षा के तत्काल जिला प्रशासन को सौंप दिया जाएगा।'' इसमें कहा गया, ''शवों को सिर्फ दफनाया ही जाएगा।'' जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि शव दफनाने के स्थान पर पहचान संख्या को स्पष्ट रूप से दर्शाने के बाद ही इन्हें दफनाया जाए। जिला प्रशासन को यह भी निर्देश दिया गया है कि जिस भी स्थान पर शवों को दफनाया जाएगा वहां उस पंचायत या नगरपालिका के अधिकारी मौजूद रहने चाहिए।

दिशानिर्देशों में कहा गया है, जिला प्रशासन को संदर्भ के लिए दफन स्थान के विवरण का आवश्यक रिकॉर्ड रखना होगा। ऐसे ही दिशानिर्देश उन शवों के लिए भी हैं जिनकी पहचान तो हो गई है लेकिन उन पर दावा नहीं किया गया है तथा जिनकी पहचान विवादित है या संदिग्ध है।

केरल भूस्खलन : मृतकों की संख्या बढ़कर 218 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 218 हो गई है। जिला प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रशासन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मृतकों में 90 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हैं। इसमें बताया गया है कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में मलबे से अब तक शरीर के 143 अंग भी बरामद किए जा चुके हैं। बयान के अनुसार, 218 शवों में से 152 की पहचान उनके परिजनों ने कर ली है। इसमें कहा गया है कि 217 शवों और शरीर के 143 अंगों का पोस्टमॉर्टम किया जा चुका है तथा 119 अवशेष परिजनों को सौंप दिए गए हैं। बयान के मुताबिक, 518 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 89 का इलाज जारी है। इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि 30 जुलाई को शुरू हुआ खोज और बचाव अभियान अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 206 लोग अब भी लापता हैं।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में तलाश अभियान शनिवार को लगातार पांचवें दिन जारी है।

मलबे में अभी भी फंसे लोगों की तलाश के लिए 1,300 से अधिक बचावकर्मियों, भारी मशीन और अत्याधुनिक उपकरणों को तैनात किया गया है।

केरल सरकार ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सुरक्षित स्थान पर 'टाउनशिप' की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने वायनाड जिले के मुंडक्कई क्षेत्र में हुए विनाशकारी भूस्खलन से विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र में 'एक टाउनशिप' स्थापित करने की शनिवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक व्यापक पुनर्वास प्रक्रिया की योजना बनाई गई है और इसे बहुत जल्द लागू किया जाएगा। विजयन ने कहा कि भूमि उपलब्ध कराने और मकान बनाने के लिए वैश्विक समुदाय से कई प्रस्ताव आए हैं।

उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों के समन्वय के लिए संयुक्त भूमि राजस्व आयुक्त ए गीता (आईएएस) के नेतृत्व में वायनाड के लिए मदद' प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा, सरकार बच गए लोगों के लिए एक व्यापक पुनर्वास प्रक्रिया की योजना बना रही है, जिसका लक्ष्य काम को तेजी से पूरा करना है। 'टाउनशिप' के निर्माण के लिए एक नये व सुरक्षित क्षेत्र की पहचान की जाएगी। शिक्षा मंत्री यह सुनिश्चित करने के लिए वायनाड का दौरा करेंगे कि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो।

मुख्यमंत्री ने प्राप्त प्रस्तावों का विवरण देते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन ने सूचित किया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पुनर्वास के लिए 100 मकानों का निर्माण कराएंगे। विजयन ने कहा कि सतीसन इनमें से 25 मकानों के सीधे तौर पर प्रभारी होंगे। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 100 घर बनवाने की पेशकश की है। मैंने आभार व्यक्त करने के लिए उन्हें फोन किया है। उन्होंने कहा कि शोभा रियल्टी ग्रुप' और कोझिकोड के 'बिजनेस क्लब' ने भी 50-50 घर बनवाने की पेशकश की है।

विजयन ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में किए गए दान की सूची दी, जिसमें मशहूर हस्तियां और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल हैं। जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान पांचवें दिन में प्रवेश कर गया। बचावकर्मियों ने और शव और मानव अंग बरामद किए, जिसके बाद मृतकों की संख्या 215 हो गई जबकि करीब 206 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता चेन्निथला के वेतन दान करने की घोषणा से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाखुश

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने घोषणा की है कि वह विधायक के तौर पर मिलने वाला अपना एक माह का वेतन वायनाड भूस्खलन आपदा के पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में दान करेंगे, जिस पर पार्टी की प्रदेश इकाई के प्रमुख के सुधाकरण ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य एवं केरल विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष चेन्निथला ने शुक्रवार शाम को पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जारी एक बयान में अपना वेतन दान करने के फैसले की घोषणा की। पार्टी के वरिष्ठ नेता के फैसले पर नाखुशी व्यक्त करते हुए सुधाकरण ने शनिवार को कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम सरकार द्वारा प्रबंधित कोष में पैसा देने की कोई जरूरत नहीं है। सुधाकरण ने संवाददाताओं से कहा, सरकारी कोष (सीएमडीआरएफ) में दान करने के लिए (केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से) कोई निर्देश नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रभावित लोगों की मदद के लिए धन जुटा रही है और चेन्निथला को इसमें योगदान देना चाहिए था।

वायनाड के जंगल में फंसे आदिवासी परिवार के लिए फरिश्ते बनकर पहुंचे वन अधिकारी, सुरक्षित निकाला

वायनाड। वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बीच, एक जंगल में फंसे चार बच्चों सहित एक आदिवासी परिवार को वन अधिकारियों ने दिलेरी दिखाते हुए सुरक्षित निकाल लिया। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के. हशीस के नेतृत्व में चार सदस्यीय दल बृहस्पतिवार को एक आदिवासी परिवार को बचाने के लिए जंगल के भीतर खतरनाक रास्तों पर निकल पड़ा।

वायनाड के पनिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाला यह परिवार पहाड़ी पर स्थित एक गुफा में फंस गया था, जिससे लगी एक गहरी खाई थी। परिवार में एक से चार वर्ष आयु के चार बच्चे भी थे। वन अधिकारियों के दल को गुफा तक पहुंचने में साढ़े चार घंटे से अधिक समय लग गया। हशीस ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्हें बृहस्पतिवार को एक महिला और चार साल का बच्चा वन क्षेत्र के निकट मिला। उनसे पूछताछ करने पर पता चला कि तीन और बच्चे और उनका पिता एक गुफा में फंसे हुए हैं और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। हशीस ने बताया कि

परिवार जनजातीय समुदाय के एक विशेष वर्ग से ताल्लुक रखता है, जो आमतौर पर बाहरी लोगों से घुलना-मिलना पसंद नहीं करता। उन्होंने कहा, वे आम तौर पर वनोंत्पादों पर निर्भर रहते हैं और उन चीजों को स्थानीय बाजार में बेचकर चावल खरीदते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भूस्खलन और भारी बारिश के कारण उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं बचा था। वन रेंज अधिकारी ने आदिवासी परिवार को बचाने के लिए चलाये गए खतरों से भरे बचाव अभियान का विवरण साझा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें भारी बारिश के बीच, फिसलन भरी और खड़ी चट्टानों पर चढ़ाई करनी पड़ी। हशीस ने कहा, बच्चे काफी सहमे और थके हुए थे, हम जो कुछ भी साथ ले गए थे उन्हें खाने के लिए दिया। काफी समझाने-बुझाने के बाद उनके पिता हमारे साथ आने के लिए राजी हो गए। हमने बच्चों को अपने शरीर से बांध लिया और नीचे उतरना शुरू कर दिया।'' वे अट्टमाला कार्यालय में आए, जहां बच्चों को खाना खिलाया गया और कपड़े तथा जूते दिए गए। उन्होंने कहा, फिलहाल उन्हें वहां रखा गया है। बच्चे अब सुरक्षित हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर, एक अधिकारी द्वारा एक बच्चे को गोद में उठाए जाने का दृश्य वायरल हो गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोशल मीडिया पर, वन अधिकारियों के साहसिक प्रयास की सराहना की। हशीस के साथ, खंड वन अधिकारी बी.एस जयचंद्रन, बीट वन अधिकारी के अनिल कुमार और त्वरित प्रतिक्रिया दल के सदस्य अनूप थॉमस ने आदिवासी परिवार को बचाने के लिए सात किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की।

अभिनेता मोहनलाल भूस्खलन प्रभावित वायनाड पहुंचे, 3 करोड़ रु. देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल शनिवार को केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिला पहुंचे और आपदा प्रभावित क्षेत्र में पुनर्वास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मोहनलाल भारतीय प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं।

मेप्पडी में सेना के शिविर में अधिकारियों के साथ संक्षिप्त चर्चा करने के बाद मोहनलाल अन्य लोगों के साथ भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के लिए रवाना हो गए। वह सेना की वर्दी पहने हुए थे। मोहनलाल ने चूरलमाला, मुंदक्कई और पुंचिरिमट्टम के अलावा अन्य स्थानों का दौरा किया तथा घटना

की गंभीरता को समझने के लिए सेना और स्थानीय लोगों सहित विभिन्न बचावकर्मियों से बातचीत की। मोहनलाल ने मीडिया से कहा कि आपदा की भयावहता को केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर ही समझा जा सकता है। अभिनेता ने कहा, भूस्खलन की भयावहता को केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर ही समझा जा सकता है। बचाव अभियान में शामिल सेना, नौसेना, वायुसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन और बचाव दल, अन्य संगठन, स्थानीय लोगों आदि ने शानदार काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की 122वीं इन्फैंट्री बटालियन (टीए), जिसका वह हिस्सा हैं, आपदा प्रभावित क्षेत्र में सबसे पहले पहुंचने वाली टीमों में से एक थी। अभिनेता ने कहा, विश्वशांति फाउंडेशन ने यहां पुनर्वास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपये दान करने का फैसला किया है। जरूरत पड़ने पर और धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। मैं भी विश्वशांति फाउंडेशन का हिस्सा हूं। मोहनलाल को 2009 में प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का दर्जा दिया गया था। इस बीच, मोहनलाल के साथ आए फिल्म निर्देशक मेजर रवि ने कहा कि फाउंडेशन मुंदक्कयी स्कूल का भी पुनर्निर्माण करेगा, जो हादसे में खंडहर हो चुका है।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों को बीमा कंपनियां जल्द दें दावा राशि : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सहित सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों से वायनाड और केरल के अन्य जिलों में भूस्खलन पीड़ितों तथा उनके परिवारों को दावा राशि का शीघ्र वितरण करने को कहा। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बीमा कंपनियों ने वायनाड, पलक्कड़, कोझीकोड, मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों में सहायता के लिए संपर्क विवरण देने को विभिन्न चैनलों (स्थानीय समाचार पत्र, सोशल मीडिया, कंपनी की वेबसाइट, एसएमएस, आदि) के जरिए अपने पॉलिसीधारकों तक पहुंचने के प्रयास शुरू किए हैं। इन जिलों में बड़ी संख्या में दावे दर्ज किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा, ''केरल में दुर्भाग्यपूर्ण भूस्खलन की घटना और भारी बारिश को देखते हुए सरकार ने एलआईसी, राष्ट्रीय बीमा निगम, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस सहित सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को आपदा पीड़ितों को हर संभव मदद देने का आदेश दिया है, ताकि बीमा दावों को तेजी से निपटाया जा सके और भुगतान किया जा सके।'' इसमें कहा गया है कि एलआईसी से पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पॉलिसीधारकों को दावा राशि का तेजी से वितरण करने के लिए कहा गया है।

भाजपा ने द्रमुक मंत्रियों से भगवान राम पर आम सहमति बनाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई ने भगवान राम के अस्तित्व को लेकर अपने कैबिनेट सहयोगी के विरोधाभासी बयान के लिए राज्य के परिवहन मंत्री एस. एस. शिवशंकर पर शनिवार को कटाक्ष किया।

शिवशंकर द्वारा विवादास्पद टिप्पणी किए जाने का एक वीडियो पोस्ट करते हुए अन्नामलाई ने 'एक्स' पर कहा, 'भगवान श्रीराम के प्रति द्रमुक का अचानक उमड़ा जुनून वास्तव में देखने लायक है – किसने ऐसा सोचा होगा?'' मंत्री ने अरियालुर में सम्राट राजेंद्र चोल की जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम में दावा किया था कि राजेंद्र चोल के शासनकाल के दौरान निर्मित तालाबों और मंदिरों से पता चलता है कि राजा रहते थे।

उन्होंने कहा था, ''लेकिन भगवान राम से जुड़ा कोई भी ऐसा ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है, जिससे इस बात की पुष्टि हो सके कि भगवान राम का कोई अस्तित्व हो।'' इस टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए अन्नामलाई ने एक पोस्ट में कहा, पिछले सप्ताह द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कानून मंत्री एस. रघुपति ने कहा था कि भगवान राम सामाजिक न्याय के जबरदस्त समर्थक, धर्मनिरपेक्षता के अग्रदूत और सभी के लिए समानता के समर्थक थे। लेकिन अब, परिवहन मंत्री ने दावा किया है कि भगवान राम कभी अस्तित्व में नहीं थे।

भाजपा नेता ने सुझाव दिया कि अब समय आ गया है कि द्रमुक सरकार के मंत्री रघुपति और शिवशंकर बैठें, चर्चा करें और भगवान राम के संबंध में आम सहमति पर पहुंचें।

पुष्पांजलि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरोड़। स्वतंत्रता संग्राम में आखिरी सांस तक देश के लिए लड़ने वाले नायक थीरन चिन्नामलाई की 219वीं जयंती के मौके पर शनिवार को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर किस ान मोर्चो के अध्यक्ष नागराज के साथ थेरन चिन्नमलाई फेडरेशन के अध्यक्ष जे. चिन्नामलाई कृष्णकुमार, तमिलनाडु भाजपा राज्य और जिला प्रशासकों और ने भाग लिया।

राजस्थान भाजपा के नए अध्यक्ष मदन राठौड़ की हुई ताजपोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भव्य समारोह के बीच आज पदभार ग्रहण कर लिया। मदन राठौड़ के जयपुर पहुंचने पर बीजेपी के अलग-अलग मोर्चों ने उनका भव्य स्वागत किया। खास बात यह है कि समारोह में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समेत केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। सियासी जानकारों का कहना है कि मदन राठौड़ की पहली चुनौती विधानसभा उप चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने की है। उप चुनाव की अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। साथ में अंदखाने गुटबाजी में बंटे बीजेपी नेताओं को एक मंच पर लाना है।

मदन राठौड़ के अध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी सहित राजस्थार सरकार के मंत्रिमंडल के मंत्री, सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, प्रधान, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी सहित सभी 200 विधानसभाओं से कार्यकर्ता पदभार ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे।

राठौड़ दिल्ली से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे जहां भाजपा के प्रमुख नेताओं ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। इसके बाद युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एयरपोर्ट से 'बाइक रैली' के माध्यम से प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को पार्टी कार्यालय तक लेकर पहुंचे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में पूजन के बाद नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पदभार ग्रहण करेंगे।

पदभार ग्रहण करने के बाद पार्टी कार्यालय के बाहर लगाए गए पंडाल में प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं को राठौड़ संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, सह प्रभारियों की बैठक लेंगे. उसके बाद 4 बजे समस्त जिलाध्यक्षों की बैठक लेंगे।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान बताते हुए शनिवार को कहा कि 250 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में पशुपालकों के सशक्तीकरण के लिए ढेरों सौगातें दी हैं। वह राज्य बजट में की गई घोषणाओं के लिए सिरोही एवं बाली सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से धन्यवाद देने आए देवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा,'' हमारा देश कृषि प्रधान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान है। इसी को ध्यान में रखते हुए बजट में पशुपालकों के सशक्तीकरण के लिए ढेरों सौगातें दी गई हैं। पशुपालन संवर्धन, संरक्षण एवं विकास हेतु 250 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं के नस्ल विकास एवं नर गौवंश की समस्या के समाधान के लिए अनुदान राशि 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की जाएगी। शर्मा ने कहा कि 2024-25 के परिवर्तित राज्य बजट में की गई घोषणाओं से विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा तथा राज्य की आठ करोड़ जनता की आकांक्षाएं एवं उम्मीदें पूरी होंगी।

उन्होंने कहा कि किसान, पशुपालक, युवा, महिला सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के 'संकल्प पत्र' के सभी वादों को सरकार पूरा कर रही है।

राजनीति का दूसरा नाम है उतार-चढ़ाव, सबको इससे गुजरना पड़ता है : वसुंधरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने राजनीति को उतार-चढ़ाव का दूसरा नाम बताते हुए शनिवार को कहा कि हर व्यक्ति को इस दौर से गुजरना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संगठन में सबको साथ लेकर चलना मुश्किल काम है और बहुत सारे लोग इसमें विफल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, राजनीति का दूसरा नाम है उतार-चढ़ाव। हर व्यक्ति को इस दौर से गुजरना पड़ता है। इसमें व्यक्ति के सामने तीन चीजें आती है... पद, मद और कद। पद और मद स्थाई नहीं होते, लेकिन कद स्थाई होता है। वसुंधरा ने कहा, राजनीति में यदि किसी को पद का मद आ जाए, तो फिर उसका कद कम हो जाता है। आज कल लोगों को पद का मद आ ही जाता है, लेकिन मदन जी को कभी पद का मद नहीं आएगा।

उन्होंने कहा कि उनकी नजर में सबसे बड़ा पद है-जनता की चाहत, जनता का प्यार और जनता का विश्वास तथा ये ऐसा पद है, जिसे कोई किसी से नहीं छीन सकता। भाजपा के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' नारे का जिक्र करते हुए वसुंधरा ने कहा, मुझे यकीन है कि वह (मदन राठौड़) इस नारे को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वह सबको साथ लेकर चलेंगे... यह बहुत मुश्किल काम है... और बहुत सारे लोग विफल भी हुए हैं... लेकिन मैं आपसे कहना चाहूंगी कि मुझे विश्वास है इस काम को आप पूरी लगन से करेंगे।

वसुंधरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मदन राठौड़ जैसे संगठन के कर्मठ, समर्पित, सेवाभावी, संस्कारी, सरल, निष्ठावान और ईमानदार कार्यकर्ता को देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में भाजपा की कमान सौंपी है।

सरकार के दूरदर्शी कदमों से बिजली की कमी नहीं होगी : हीरालाल नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए दूरदर्शी कदमों से राज्य में बिजली की कमी नहीं रहेगी। नागर शुक्रवार रात राजस्थान विधानसभा में राज्य में बिजली की स्थिति पर चर्चा के बाद अपना जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय उपक्रमों के साथ समझौते (एमओयू) किए हैं और दूरदर्शी सोच के साथ उठाए गए इस कदम से आने वाले समय में राजस्थान में बिजली की कोई कमी नहीं होगी।

पूर्ववर्ती सरकार के कुप्रबंधन के कारण प्रदेश को बिजली संकट से जूझना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में बिजली के उत्पादन, प्रसारण एवं वितरण तीनों ही क्षेत्रों की उपेक्षा हुई। ऊर्जा राज्य मंत्री ने बताया कि औसत बिजली कटौती वर्ष 2022 के मुकाबले वर्ष 2024 में काफी कम रही है। उन्होंने कहा कि हम वर्ष 2027 तक किसानों को दो ब्लॉक में दिन में बिजली देंगे और हमारी सरकार ने 1.50 लाख कृषि कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य रखा है। आगामी दो वर्ष में सभी कृषि कनेक्शन दिन में शिफ्ट किए जाएंगे और सोलर से जोड़े जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1,000 मेगावाट के सोलर संयंत्र सरकारी कार्यालयों में लगाए जाएंगे, जिसकी संविदा जारी कर दी गई है। नागर ने कहा कि हमारी सरकार ने दूरदर्शी सोच के साथ बिजली उत्पादन, प्रसारण एवं वितरण तीनों ही आयामों में बड़े लक्ष्य तय किए हैं।

निवर्तमान राज्यपाल मिश्र जयपुर से विदा हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के निवर्तमान राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को जयपुर से विदा हो गए। हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर विदाई दी। उन्होंने मिश्र को स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा अन्य मंत्री व अधिकारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि कलराज मिश्र ने नौ सितंबर 2019 को राजस्थान के राज्यपाल पद की शपथ ली थी। इससे पहले, वह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। दोनों राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनका पांच साल का कार्यकाल 22 जुलाई को समाप्त हो गया। मिश्र के स्थान पर हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने बुधवार को पद की शपथ ली।

राजस्थान में कई जगहों पर हुई भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कई जगहों पर बीते चौबीस घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक कई जिलों में भारी बारिश का सिलसिला बरकरार रहने का अनुमान जताया है। मौसम केंद्र जयपुर के प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में कोलायत मगरा (बीकानेर) में सबसे अधिक 195.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

प्रवक्ता के मुताबिक, इस अवधि में अजमेर के मसूदा में 180 मिलीमीटर, ब्यावर के नयानगर में 170 मिलीमीटर, अजमेर के पीसांगन में 170 मिलीमीटर, अजमेर के मांगलियावास में 150 मिलीमीटर, राजसमंद के भीम में 150 मिलीमीटर, अजमेर के टाटगढ़ और नागौर के मेड़ता सिटी में 130-130 मिलीमीटर बारिश हुई। प्रवक्ता के अनुसार, शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में अन्य स्थानों पर 10 मिलीमीटर से 120 मिलीमीटर तक पानी बरसा।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह 8.30 बजे राज्य भर में अधिकांश जगहों पर आर्द्रता 85 से 100 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई। प्रवक्ता के मुताबिक, शनिवार को दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटे के दौरान जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, जालौर और आसपास के जिलों में मध्यम से तेज बारिश होने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र शनिवार को तीव्र होकर 'डीप डिप्रेशन' में तब्दील हो चुका है और अगले 48 घंटे में इसके मध्य प्रदेश से होते हुए पूर्वी राजस्थान की तरफ बढ़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस मौसम प्रणाली के प्रभाव से शनिवार को कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है। प्रवक्ता के अनुसार, इस मौसम प्रणाली का चार-पांच अगस्त को राज्य में सर्वाधिक प्रभाव देखने को मिलेगा और अधिकांश हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होंगी। उन्होंने बताया कि कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है।

प्रवक्ता ने कहा कि चार अगस्त को कोटा संभाग के जिलों में एक-दो जगहों पर बेहद भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पांच-छह अगस्त को उदयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश व कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने का अनुमान है।

बजट घोषणाओं से साकार होगा विकसित राजस्थान का सपना : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में की गई घोषणाओं से प्रदेश की आठ करोड़ जनता की आकांक्षाएं एवं उम्मीदें पूरी होंगी और विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिरोही एवं बाली सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से राज्य बजट में की गई घोषणाओं के लिए धन्यवाद देने आए देवासी समाज के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान, पशुपालक, युवा, महिला सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के सभी वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान है। इसी को ध्यान में रखते हुए बजट में पशुपालकों के सशक्तिकरण के लिए ढेरों सौगातें दी गई हैं। पशुपालन संवर्द्धन, संरक्षण एवं विकास के लिए 250 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं के नस्ल विकास एवं नर गौवंश की समस्या के समाधान के लिए अनुदान राशि 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की जाएगी। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए 125 पशु चिकित्सकों तथा 525 पशुधन सहायकों के नये पदों के सृजन, ग्राम पंचायतों में इस वर्ष 500 नवीन पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोले जाने सहित विभिन्न घोषणाएं राज्य बजट में की गई हैं। शर्मा ने कहा कि विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों में चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं के विकास, भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य एवं उपकरण आदि के लिए 200 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊंटपालकों को दी जाने वाली सहायता राशि को 10 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष किया जाएगा एवं पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।

शर्मा ने कहा कि दुग्ध उत्पादकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए भी बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से सरदारशहर-चूरू, रानीवाड़ा-सांचौर, झालावाड़, भरतपुर, नागौर तथा बीकानेर में मिल्क प्रोसेसिंग प्लांटस का सुदृढ़ीकरण, 95 करोड़ रुपये की लागत से पाली में 30 मीट्रिक टन क्षमता का अत्याधुनिक मिल्क पाउडर प्लांट तथा 25 करोड़ रुपये से कोटा में केटल फीड प्लांट स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दो हजार नये डेयरी बूथ खोले जाएंगे।

इस वर्ष शहरी क्षेत्रों में एक हजार सरस मित्र बनाएंगे, दो वर्षों में एक हजार 500 नई दुग्ध सहकारी समितियां तथा किसानों को दूध का उचित मूल्य दिलाने के लिए दो हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोले जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बुनियादी ढांचे के सुदृढीकरण के लिए भी राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य बजट में 18.90 करोड़ रुपये की लागत से रानी, बाली, फालना तथा 50 गांवों हेतु पेयजल (पाली) आपूर्ति व पाइप लाइन सम्बन्धी कार्य करवाये जाने की घोषणा की गई है। साथ ही, बाली विधानसभा क्षेत्र में 176 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से विभिन्न सड़कों के निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण के कार्य करवाए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि 15.50 करोड़ रुपये की लागत से फुटिया बांध (बाली)-पाली के जीर्णोद्धार एवं बांध की ऊँचाई बढ़ाये जाने सम्बन्धी कार्य कराएंगे। उन्होंने कहा कि बाली में देवनारायण आवासीय विद्यालय की स्थापना, बाली उपजिला चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत, साण्डेराव, देसूरी-पाली में नये ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने, सादड़ी-पाली में फल-फूल मण्डी स्थापित करने, बाली में एकलव्य आवासीय विद्यालय की स्थापना एवं बाली में खेल स्टेडियम की स्थापना जैसी अहम घोषणाएं बजट में की गई हैं।

इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, समाराम एवं गोपीचंद मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोग मौजूद थे।

5 हजार साल पहले की महाभारत के बजाय कांग्रेस नेता को 50 साल पहले की बातों को देखना चाहिए : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चक्रव्यूह वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 5 हजार साल पहले की महाभारत के बजाय कांग्रेस नेता को 50 साल पहले की बातों को देखना चाहिए, जब कांग्रेस पार्टी ने देश को कुचलने का काम किया था। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने राहुल गांधी के बयान पर तंज कसते हुए कहा की आज से 50 साल पहले उन बेगुनाह लोगों को जेलों में बंद किया गया, जो नागरिक अधिकारों की आवाज उठाते थे। इस देश में सारी संस्थाओं को सस्पेंड किया, क्योंकि इंदिरा जी को अपनी सत्ता जाने का खतरा जाने का नजर आ रहा था। इस देश में जो गांधीवादी मतलब जो गांधी जी के मार्ग पर चलते थे, उन संस्थाओं को भी बंद कर दिया गया।

इसलिए मैं राहुल को कहना चाहूंगा कि 5 हजार साल पहले ना देंखे। 50 साल पहले जिन्होंने देश के लोकतंत्र को कुचलने का काम किया, पहले उसे देखें। इंदिरा जी की जिस पार्टी को वो चला रहे हैं, उसके बारे में विचार करें। ये देश कांग्रेस की झूठी बातों में नहीं आने वाला है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आरक्षण को लेकर झूठ बोलने की कोशिश की गई, लेकिन देश बहकावे में नहीं आया। कांग्रेस का इतिहास लोकतंत्र को खत्म करने का का रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है। वो एक परिवाद के आदेश पर चलने वाली है। बहरोड़ को कोटपुतली जिले से हटाने के सवाल पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि अभी तो ललित पंवार कमेटी इस पर विचार कर रही है। बहरोड़ विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि इस पर चर्चा करेंगे।

अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट्स के लिए एसओपी को दिया अंतिम रूप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने विभिन्न अस्पतालों में स्थापित ऑक्सीजन उत्पादन प्लांट्स के सुचारू संचालन एवं उपयोग के लिए एक मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) तैयार की है। इस एसओपी को स्वास्थ्य भवन में आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में अंतिम रूप दिया गया। यह एसओपी लागू होने से प्रदेश के अस्पतालों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स का निर्धारित मापदण्डों के अनुसार बेहतर संचालन सुनिश्चित हो सकेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने राज्य में चिकित्सा ऑक्सीजन संसाधनों की उपलब्धता और प्रभावी प्रबंधन के संबंध में निर्देश दिए थे। उन्होंने अस्पतालों में स्थापित आक्सीजन प्लांट्स के प्रभावी संचालन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित करने की आवश्यकता व्यक्त की थी। आरएमएससीएल ने विषय विशेषज्ञों, उद्योग विशेषज्ञों, और विभिन्न अस्पताल प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर इस एसओपी का अंतिम रूप दे दिया है। जल्द ही इसे प्रदेश में लागू किया जाएगा। राज्य नोडल अधिकारी (ऑक्सीजन प्रबंधन), डॉ. प्रेम सिंह ने ड्राफ्ट एसओपी में शामिल ब्बिंदुओं के बारे में जानकारी दी।

श्रीमती नेहा गिरि ने बैठक में कहा कि प्लांट्स में प्रेशर अलार्म के साथ ऑक्सीजन शुद्धता अलार्म भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब्स के माध्यम से ऑक्सीजन शुद्धता परीक्षण की आवृत्ति को निर्धारित करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि एसओपी में अस्पतालों के लिए एक चेकलिस्ट शामिल की गई है, जिसमें यह बताया जाए कि अगर प्लांट्स में कोई समस्या आती है तो कब और किस स्तर पर कार्यवाही की आवश्यकता है। उन्होंने ऑक्सीजन संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग के लिए ऑक्सीजन संचालन और बीएमई की नियुक्ति और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव को वर्ष पर्यंत धूमधाम से मनाएगी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सरकार 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के शताब्दी महोत्सव को पूरे राज्य में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्षपर्यंत धूमधाम से मनाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर उच्च स्तरीय बैठक में 'काकोरी ट्रेन एक्शन' शताब्दी महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं में 'काकोरी ट्रेन एक्शन' अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव को पूरे राज्य में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्षपर्यंत धूमधाम से मनाएगी तथा नौ से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के शताब्दी महोत्सव की शुरुआत आगामी नौ अगस्त से होगी। उनका कहना था कि इस अवसर पर शहीद स्मारकों, स्मृति स्थलों, अमृत सरोवरों के तट पर वृहद रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

झारखंड में भारी वर्षा से कई सड़कें बहीं, मकान क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/गुमला/रामगढ़/भाषा। झारखंड में पिछले दो दिनों से लगातार वर्षा से कई रास्ते बह गए, पेड़ उखड़ गए तथा मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एक पुल भी ढह गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के किसी भी हिस्से से जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

झारखंड सरकार पहले ही आदेश दे चुकी है कि वर्षा के मद्देनजर शनिवार को सभी विद्यालय बंद रखे जाएं। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को राज्य की राजधानी रांची में मूसलाधार वर्षा से प्रभावित निचले इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए तैनात किया गया है। उन्होंने कहा फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को कई जिलों में भारी वर्षा होने का अलर्ट जारी किया है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद ने कहा, आज ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने तथा कुछ जगहों पर भारी से बहुत ही भारी वर्षा होने का अनुमान है। उत्तर पश्चिम झारखंड में भारी वर्षा होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि रांची में निचले इलाकों में बारिश से जलभराव हो गया है। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ ने शुक्रवार शाम को सदर थानाक्षेत्र स्थित बंधगारी इलाके से करीब 40 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

रांची के मंदार क्षेत्र में एक सड़क पानी के तेज प्रवाह में बह गई। शनिवार सुबह शहर के कई स्थानों पर पेड़ भी उखड़े हुए मिले।

रांची नगर निगम ने जलभराव के बारे में शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन की शुरुआत की है।

झारखंड के बोकारो जिले में भारी बारिश के कारण पुल का एक हिस्सा ढह गया। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में 2014 में निर्मित लगभग 300 मीटर लंबे पुल का एक हिस्सा ढह गया। यह पुल बोकारो के ललपनिया और गिरिडीह जिले के डुमरी को जोड़ता है।

बेरमो अनुमंडल अधिकारी (एसडीओ) अशोक कुमार ने कहा, एक पुल का करीब 20-30 फुट हिस्सा ढह गया। एक जांच समिति गठित की गई है।

गुमला में भारी बारिश से कम से कम तीन सडकें बह गईं।

एक अधिकारी के अनुसार कांद्रा गांव के पास एक सड़क बह गई जो गुमला और लोहरदगा को जोड़ती थी। इसी तरह, चैनपुर प्रखंड में एक मार्ग बह गया। यह मार्ग पांच गांवों के 15,000 लोगों को जोड़ता था। जिले में निचले इलाकों के गांवों में कई मकानों में पानी भर गया है।

रामगढ़ में दामोदर और भैरवी नदियों में जलस्तर बढ़ने के कारण प्रशासन ने प्रसिद्ध तीर्थ स्थल रजरप्पा मंदिर क्षेत्र के लिए अलर्ट जारी किया है। मंदिर के मुख्य पुरोहित अजय पांडा ने बताया कि श्रद्धालुओं को दामोदर नदी की ओर वाले निकास द्वार की ओर नहीं जाने की सलाह दी गई है।

रामगढ़ के उपायुक्त चंदन कुमार ने सभी छह प्रखंडों के अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीम को तैयार रखा गया है।

धनबाद में, बेकारबांध के पास ग्रेवाल कॉलोनी, भूली में नवाडीह नंदन रेजीडेंसी, धैया में मंगल विहार कॉलोनी, मैथन में शिवलीवारी कॉलोनी जैसे कई इलाके भारी बारिश के कारण जलमग्न हैं।

धनबाद नगर निगम के आयुक्त रविराज शर्मा ने कहा कि पानी की निकासी के लिए विभिन्न स्थानों पर त्वरित कार्रवाई दलों (क्यूआरटी) को तैनात किया है।

हांलाकि लगातार बारिश ने राज्य में वर्षा की कमी की भरपाई की है और 19 फीसदी की इस गिरावट को आईएमडी सामान्य मानता है।

मौसम विभाग के वर्षा बुलेटिन के अनुसार राज्य में एक जून से तीन अगस्त तक 435.7 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि सामान्य वर्षा 538.7 मिमी है।

अरुणाचल प्रदेश के लोहित में म्यामां के तीन नागरिक गिरफ्तार

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में म्यामां के तीन नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तुम्मे अमो ने बताया कि काथन गांव से शुक्रवार दोपहर तीन बजे इन तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अदेह सादी लिसु (25), अखी योहा लिसु (22) और न्वाफटा लिसु (20) के रूप में हुई है। ये सभी म्यामां के पुताओ जिले के सागो गांव के रहने वाले हैं। अधीक्षक ने बताया कि तीनों को गिरफ्तार कर वाकरो पुलिस थाने लाया गया है, जहां एसआईबी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी), एसबी और पुलिस पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा अंदेशा है कि वे निर्दोष हैं और शिकार करते हुए अनजाने में भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गए। अमो ने बताया कि उनके पास से एक 5.56 राइफल, 7.62 मिमी बैरल वाली बंदूक, 26 कारतूस, छह खाली कारतूस तथा चीनी और भारतीय मुद्राएं जब्त की गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तुम्मे अमो ने बताया कि म्यामां के तीन नागरिकों के खिलाफ विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मणिपुर: हमार के शीर्ष संगठन ने कहा, मेइती के साथ समझौता 'अमान्य'

इंफाल/भाषा। मणिपुर के जातीय हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में शांति बहाल करने के लिए हमार और मेइती प्रतिनिधियों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर होने के एक दिन बाद हमार समुदाय के शीर्ष संगठन ने कहा कि यह समझौता 'अमान्य' है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को जिरीबाम में फिर से हिंसा की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि इलाके में गोलीबारी की घटना हुई और मेइती आबादी वाले गांव में एक खाली पड़े मकान को आग लगा दी गई। समुदाय के शीर्ष संगठन 'हमार इनपुई' ने दावा किया कि उसकी संबद्ध इकाइयों ने मुख्यालय की जानकारी के बिना समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसके जवाब में अपनी जिरीबाम इकाई को भंग कर दिया। 'हमार इनपुई' ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, हमार इनपुई, जनरल हेडक्वार्टर, असम के कछार में सीआरपीएफ केंद्र में एक अगस्त, 2024 को की गई शांति पहल के बारे में जानकर स्तब्ध है। इस तरह की पहली पहल एक जुलाई को सिलचर में हुई थी। हमार इनपुई ने इसमें शामिल होने वाले लोगों की निंदा की और हमारी पूर्व सहमति के बिना किए गए प्रयासों को नकार दिया है। बयान में कहा गया कि 'हमार इनपुई' ने जिरीबाम क्षेत्र में अपने संगठन और उसके सभी संबद्ध संगठनों (एचवाईए, एचएसए, एचएनयू, एचडब्ल्यूए) को भंग कर दिया है।

उत्तर प्रदेश : ताजमहल में गंगाजल चढ़ाने पहुंचे दो युवक गिरफ्तार

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा में शनिवार सुबह ताजमहल में गंगाजल चढ़ाने पहुंचे दो युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि युवकों ने गंगाजल चढ़ाया या नहीं इस बात की पुष्टि अभी नहीं हुई है। वहीं अखिल भारत हिंदू महासभा ने दावा किया कि दोनों युवकों ने अंदर जाकर गंगाजल चढ़ाया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें युवक ताजमहल में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में दोनों युवकों को कथित रूप से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि अब वह अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहे हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने दोनों युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान मथुरा के रहने वाले वीनेश और श्याम के रूप में हुई है और दोनों ही युवक हिंदू महासभा से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। सहायक ताज संरक्षण प्रिंस बाजपेयी ने बताया कि दो युवक सुबह साढ़े सात बजे ताजमहल पहुंचे और मुख्य गुम्बद के बाहर उन्होंने धार्मिक नारे लगाए, जिसके बाद सीआईएसएफ ने उन्हें पकड़ लिया।

ओडिशा: भ्रष्टाचार के मामले में सरकारी विभाग का अभियंता गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में शनिवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में सरकारी विभाग के एक वरिष्ठ अभियंता को गिरफ्तार किया गया। उसके नाम पर 85 भूखंड और एक मार्केट कॉम्प्लेक्स समेत कई संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आरोपी सिंचाई विभाग में मुख्य निर्माण अभियंता है और क्योंझर जिले में एक बांध परियोजना में तैनात था। उससे जुड़े परिसरों की तलाशी में अभियंता के पास आय से अधिक संपत्ति मिली। उन्होंने बताया कि इनमें एक पांच मंजिला इमारत, एक मार्केट कॉम्प्लेक्स, 85 भूखंड, 335 ग्राम सोना, विभिन्न खातों में जमा 78 लाख रुपए से अधिक की राशि और 11.7 लाख की नकद शामिल हैं। बालासोर जिले के मूल निवासी आरोपी ने 40 साल की नौकरी में इतनी संपत्तियां अर्जित की हैं। सतर्कता अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

दलित उप-समूहों पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे: चिराग

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का विरोध किया जिसमें राज्यों को 15 प्रतिशत आरक्षण के एक हिस्से के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-समूह बनाने की अनुमति दी गई है। उन्होंने घोषणा की कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इसके खिलाफ अपील करेगी।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिसके लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी जोरदार मांग कर रहे हैं, हालांकि उनका यह भी मानना है कि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी उच्चतम न्यायालय से अनुरोध करेगी कि वह अपने हाल के फैसले की समीक्षा करे जिसमें अनुसूचित जाति कोटे के तहत 15 प्रतिशत उप-समूहों को अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा, एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर को अनुमति नहीं दी जा सकती। एससी कोटे में उप-समूहों को अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग के उत्थान का उद्देश्य पूरा नहीं होगा जो छुआछूत की प्रथा का शिकार रहा है।

कोचिंग संस्थानों के लिए व्यापक नीतिगत समाधान की आवश्यकता: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कोचिंग संस्थानों से जीएसटी संग्रह के आंकड़ों का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि भारत को कोचिंग संस्थानों की तेज़ी से बढ़ती संख्या के लिए एक व्यापक नीतिगत समाधान की आवश्यकता है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने राज्यसभा में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार द्वारा एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दिए जवाब का उल्लेख किया और कहा कि पिछले पांच वर्षों में कोचिंग संस्थानों से जीएसटी संग्रह 2,241 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,517 करोड़ रुपए हो गया है। रमेश ने पोस्ट किया, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राज्यसभा को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि कोचिंग संस्थानों से जीएसटी संग्रह 2019-2024 के बीच तेज़ी से बढ़कर 2,241 करोड़ रुपए से 5,517 करोड़ रुपए हो गया है। यह जीएसटी संग्रह में आश्चर्यजनक रूप से 146% की वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भूमिका बेहतर प्रवर्तन की हो सकती है, लेकिन ऐसा संभवतः बढ़ते बाज़ार के आकार से भी हुआ है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, चिंता की बात यह है कि वित्त वर्ष 2024 में 18 प्रतिशत की दर से 5,517 करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह सालाना 30,653 करोड़ रुपए का कोचिंग बाजार बता रहा है। यह बेहद चिंताजनक आंकड़ा है, क्योंकि यह वित्त वर्ष 2024 में उच्च शिक्षा के लिए केंद्रीय बजट के आवंटन के लगभग दो-तिहाई के बराबर है। जीएसटी के आंकड़े संभवतः कोचिंग संस्थानों के बाज़ार को कम आंक रहे हैं।

कोलकाता में लगातार बारिश से कई इलाकों में जलभराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और उसके पड़ोसी जिलों में शनिवार को लगातार बारिश के कारण कोलकाता के कई इलाकों में जलभराव हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पड़ोसी शहरों हावड़ा, साल्ट लेक और बैरकपुर में भी यही स्थिति रही। मौसम विभाग ने बताया कि दिनभर स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। पुलिस के अनुसार, कोलकाता के मध्य और दक्षिण के कुछ हिस्सों में भी जलभराव हो गया, हालांकि वहां यातायात बाधित नहीं हुआ है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता के कई हिस्सों में शुक्रवार दोपहर से अब तक सात सेंटीमीटर तक बारिश हुई। उन्होंने कहा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र पर बना निम्न दबाव सघन 'अवदाब' में बदल गया है। यह धीरे-धीरे बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में सक्रिय मानसून के कारण बारिश हुई है। अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, पूर्व बर्धमान, हुगली, नादिया तथा उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में अगले 12 घंटों तक बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने बिजली गिरने के साथ-साथ तूफान आने की भी चेतावनी दी है।

बिना 'डीएनए टेस्ट' के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अयोध्या में नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म मामले में शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या के भदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा।

सपा मुख्यालय से शनिवार को जारी एक बयान में पार्टी प्रमुख ने कहा, अयोध्या के भदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा। कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है, उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए।

यादव ने कहा, जो भी दोषी हों उन्हें कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सपा प्रमुख ने मांग की है कि सरकार पीड़ित परिवार को तत्काल 20 लाख रुपए की सहायता प्रदान करे।

लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा के बौखलाए हुए रहने का आरोप लगाते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि घटना कहीं हों, बिना जांच-पड़ताल के समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की नीयत से आरोप लगाना राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है। अयोध्या पुलिस ने 30 जुलाई को जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा नगर में बेकरी संचालित करने वाले मुईद खान और उसके कर्मचारी राजू खान को 12 वर्षीय एक बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मुईद और राजू खान ने दो महीने पहले नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया तथा इस कृत्य को रिकॉर्ड भी किया।

यह घटना तब प्रकाश में आई जब हाल में मेडिकल जांच में पीड़िता के गर्भवती होने का पता चला। मुईद खान के सपा का सदस्य होने के दावे के बाद इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। बृहस्पतिवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का जिक्र किया और सपा पर निशाना साधा। योगी ने कहा, यह अयोध्या का मामला है। मुईद खान सपा से है और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है। वह 12 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में संलिप्त पाया गया है। सपा ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पीड़ित बच्ची की मां से मिलने के बाद अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्ची के स्वास्थ्य और उसकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंधन किए जाएं।

अभी भारत को कई और पदक मिलेंगे : सीडीएम गगन नारंग

पेरिस/भाषा। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर की अगुवाई में निशानेबाजी में मिली सफलता से उत्साहित भारत के दल प्रमुख और लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा कि उन्हें यकीन है कि अगले सप्ताह में भारत को कई और पदक मिलेंगे। भारत ने अब तक तीन कांस्य पदक जीते हैं और तीनों निशानेबाजी में मिले हैं। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल एकल और सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य जीता जबकि स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत को पहला ओलंपिक पदक दिलाया।

इसके अलावा अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल में और मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रहीं। तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा मिश्रित टीम में चौथे स्थान पर रहे।

मनु पदकों की हैट्रिक लगाने से चूकी, माहेश्वरी महिला स्कीट में फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेटराउ (फ्रांस)/भाषा। ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक लगाने का मनु भाकर का सपना शनिवार को यहां 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में कांस्य पदक के लिए हंगरी की खिलाड़ी से शूट ऑफ में पिछड़ने के बाद पूरा नहीं हो सका। आठ निशानेबाजों के करीबी फाइनल में मनु ने अपना सब कुछ झोंक दिया और कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर भी रही लेकिन अपनी निरंतरता बरकरार नहीं रख सकीं।

इस 22 साल की खिलाड़ी ने हालांकि महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दो कांस्य पदक जीत कर पहले ही इतिहास रच दिया है। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय है। मनु पांच-पांच निशाने के 10 सीरीज के फाइनल में शुरुआती आठ सीरीज के बाद 28 अंक के साथ हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर थी।

इसके बाद शूट ऑफ में मनु पांच में से तीन निशाना ही लगा सकी जबकि मेजर ने चार सटीक निशाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। मनु की शानदार लय को देखते हुए, उनके पदकों की हैट्रिक लगाने की उम्मीदें बहुत अधिक थीं। फाइनल की शुरुआत में छठे स्थान पर खिसकने के बाद भी वह वापसी करने में सफल रही। मनु की शुरुआत बेहद खराब रही वह शुरुआती सीरीज में पांच में से तीन निशाना चूक गई। इसके बाद दो सीरीज में चार-चार निशाने के साथ उन्होंने वापसी की। चौथा सीरीज से एलिमिनेशन चरण शुरू हुआ। मनु सातवें चरण (एलिमिनेशन का चौथा चरण) में कुछ समय के लिए तालिका में शीर्ष पर पहुंची। दक्षिण कोरिया की जिन यांग ने आठवें दौर में शीर्ष स्थान पर फिर से वापसी की जबकि दूसरे स्थान पर काबिज मनु पांच में से दो निशाना चूकने के बाद वेरोनिका के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई। वह शूटऑफ में अपनी लय जारी नहीं रख सकी और करीबी अंतर से कांस्य पदक से चूक कर जयदीप करमाकर (पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन, 2012 लंदन), अभिनव बिंद्रा (पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल, 2016 रियो) और अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल, 2024 पेरिस ओलंपिक) जैसे निशानेबाजों की सूची में शामिल हो गई। मनु ने स्पर्धा के बाद कहा कि उन पर तीसरा पदक जीतने का दबाव नहीं था और वह इसकी भरपाई अगले ओलंपिक खेलों में करेगी।

बुमराह के पास अपने इशारे पर गेंद को नचाने की क्षमता: शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मन के मुताबिक गेंद को नियंत्रित करने की क्षमता ने भारत को पिछले महीने टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बुमराह ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच और फिर फाइनल में आखिरी ओवरों में अहम विकेट चटकाकर मैच के रुख को भारत की ओर मोड़ने में अहम भूमिका निभाई थी। जीत के लिए 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय पाकिस्तान तीन विकेट पर 80 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन बुमराह ने क्रीज पर समय बिता चुके विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को बोल्ड किया जो मैच का पासा पलटने वाला साबित हुआ। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को आखिरी पांच ओवर में 30 रन की जरूरत थी और उसके छह विकेट बचे हुए थे। बुमराह ने 16वें ओवर में सिर्फ चार रन खर्च किए और फिर 18वें ओवर में मार्को यानसेन को आउट कर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना दिया। शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान (मैच) से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था। टीम को इस मैच में कड़ी टक्कर मिली और उसे उसे एहसास हुआ कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए सही संयोजन क्या होना चाहिए। इसके बाद फाइनल मैच के आखिरी पांच ओवर शानदार रहे। उन्होंने कहा, बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ रिजवान को सही समय पर आउट किया। इस विकेट से मैच का रुख भारत की ओर मुड़ने लगा था। भारत के पूर्व कोच ने कहा कि विश्व कप में बुमराह को लेकर उनका सर्वश्रेष्ठ पल तब आया जब इस गेंदबाज ने यानसेन को बोल्ड किया। शास्त्री ने कहा, रिवर्स स्विंग की मदद से बल्ले और पैड के बीच से गेंद निकाल कर यानसेन को बोल्ड करना शानदार उपलब्धि थी। मुझे लगता है कि उस समय यह काफी अहम विकेट था। यानसेन आउट होने वाले छठे बल्लेबाज थे और जब वह पवेलियन लौटे तो दक्षिण अफ्रीका को 15 गेंद में 21 रन की जरूरती। इससे पहले हरफनमौला ने हार्दिक पंड्या ने हेनरिच क्लासेन को 17वें ओवर में आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई थी। शास्त्री ने कहा, इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को सबसे बड़ा झटका हार्दिक ने क्लासेन का विकेट लेकर दिया था। लगातार दो ओवर में दो आक्रामक बल्लेबाजों का आउट होना मैच में काफी अहम साबित हुआ।

सुविचार

बेरंग ही होती है, हक़ीक़त-ए-ज़िन्दगी ऐ दोस्त, वर्ना झूठ के चेहरों के तो, हज़ारो रंग होते हैं।

ट्वीट

आज मुख्यमंत्री आवास पर देवासी समाज के प्रबुद्धजनों से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश के विकासोन्मुख बजट 2024-25 में समाज के कल्याण हेतु समर्पित विभिन्न सौगातों हेतु देवासी समाज के प्रबुद्ध जनों ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

-भजनलाल शर्मा

पद और मद स्थाई नहीं होते। लेकिन क़द स्थाई होता है। राजनीति में यदि किसी को पद का मद आ जाए तो फिर उसका क़द कम हो जाता है और आज कल लोगों को पद का मद आ ही जाता है। लेकिन मदन जी को मैं जानती हूँ उनमें पद का मद नहीं आएगा।

-वसुंधरा राजे

कहानी

एक और परीक्षा...

आसमान में सुबह से ही घने बादलों की आवाजाही के साथ शहर में हो रही बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रही थी। घड़ी में समय के साथ बढ़ती सुईयों की आवाज कमरे में नेहा और उसके अपाहिज पुत्र के अलावा अपनी भी उपस्थिति दर्ज करवा रही थीं। उसका दूसरा पुत्र अपने ननिहाल में काम में हाथ बंटाने के लिए सुबह ही बारिश शुरु होने से पहले वहां चला गया था। बारिश थमने का इंतजार करते हुए उसका किसी भी काम में मन नहीं लग रहा था। उसके पिता (बाबूजी) की मृत्यु हुए आज दो दिन ही हुए थे। दोपहर होने से पहले वह अपने घर के बाहर आकर मजबूती से पॉलीथिन में रखे थैले को पकड़े हुए बारिश से बचते हुए ऑटो रिक्शा का इंतजार करने लगी। एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा बाबूजी के घर तक पहुंचाने का ज्यादा पैसे मांगने पर भी वह उसमें बैठ गई और उसे चलने का कहा। वह जल्दी से जल्दी अपने बाबूजी के घर जाकर दोनों भाइयों को कहकर सभी धार्मिक और सामाजिक कार्य भाइयों द्वारा निष्ठापूर्वक करवाना चाहती थी। इस कार्य में आने वाली भाइयों की मानसिक उलझन को उसने अपने स्तर पर तो दूर कर ही दिया था। अपने भाइयों के व्यवहार से उसे आश्चर्य हो रहा था। उसके लिए यकीन कर पाना मुश्किल हो गया था कि सम्पन्न होने के बावजूद उसके दोनों भाई और उनके परिवार के सभी सदस्य इतने संवेदनहीन कैसे हो गए थे ? क्या संतान के प्रति फर्ज़ निभाने का धर्म सिर्फ़ माता-पिता का होता है ? क्या संतान का माता-पिता के प्रति कोई फर्ज़ नहीं होता? क्या पैसों के लालच ने उनकी माननीय संवेदनाओं को खोखला कर दिया था? इन्ही सवालों के जवाब ढूंढने की कोशिश में वह अपने परिवार से जुड़ी अतीत की यादों में खो गई।

सामाजिक संस्कारों और मूल्यों की पालना करने वाले एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मी नेहा तीन भाई बहिनों में सबसे बड़ी थी। उसमें और दोनों छोटे भाइयों की उम्र में एक दो साल का ही फर्क था। नेहा की माँ गृहणी और बाबूजी एक प्राइवेट शुगर मिल में सुपरवाइजर के पद पर काम करते थे। कम उम्र में ही माँ की मृत्यु हो जाने के बाद बाबूजी पूरी तरह टूट गए थे। गुजरते वक़्त के साथ उन्होंने किसी तरह खुद को और बच्चों को संभाला। दोनों भाइयों की देखभाल और घर के कामों के कारण नेहा दसवीं कक्षा से आगे नहीं पढ़ सकी। बाबूजी ने अपने बच्चों के लिए ताउम्र माता और पिता का फर्ज़ निभाया। नेहा ने भी समय रहते भाइयों के प्रति अपना फर्ज़ समझते हुए उनका भविष्य बनाने में यथासंभव पूरा योगदान दिया। बाबूजी ने अपनी आय के सीमित संसाधनों के बावजूद अपने दोनों पुत्रों को अच्छी शिक्षा दिलाने के भरसक प्रयास किए। अपनी जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति नहीं करते हुए उन्होंने बच्चों की जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति करने में ही खुद को झोंके रखा। उनके इन्ही प्रयासों से नेहा के दोनों भाई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने के बाद कम्पनियों में उच्च पद पर नौकरी लग पाए थे। अपने दोनों पुत्रों की उच्च शिक्षा के लिए बैंक और अन्य संस्थाओं से लिए गए ऋण की मासिक किश्तें चुकाते-चुकाते ही बाबूजी किराये के मकान में रहते हुए शुगर मिल से एक दिन विधिवत रिटायर भी हो गए। उनके रिटायरमेंट से पहले नेहा का विवाह कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर राजन से हो गया था। नेहा इसी शहर में अपने ससुराल में खुश थी।

उसके दोनों भाई दूसरे अलग-अलग शहरों में नौकरी लगने के कारण वहां चले गए थे। बाबूजी ने उनमें से किसी के भी साथ जाने के लिए साफ मना कर दिया था। बच्चों के बाहर जाने के बाद वे बरसों से किराये के मकान में एकदम अकेले हो गए थे। लेकिन उनका मन इसी शहर और माहौल में लगता था। मकान मालिक को भी उनके वहां रहने में कोई आपत्ति नहीं थी। रिटायरमेंट के समय मिले पैसों को बाबूजी ने बैंक में जमा करा दिया था। बाबूजी उससे ब्याज से मिलने वाले उनका गुजारा करने के लिए पर्याप्त थे। नेहा बाबूजी से मिलने और उन्हे संभालने सप्ताह में एक बार आ जाया करती थी। बाबूजी अपना ज्यादातर समय पूजा पाठ में व्यतीत करने लगे थे। अपना कुछ समय वे समाज सेवा में भी दिया करते थे।

वक़्त पंख लगाकर उड़ रहा था। दोनों भाइयों ने बाबूजी से अनुमति लिए बगैर अपने साथ ऑफिस में काम करने वाली सहकर्मियों के साथ अंतरजातीय विवाह कोर्ट में जाकर कर लिया था। यह सब जानने के बाद बाबूजी मन ही मन बहुत दुखी हुए थे। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके पुत्र पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की खुलेआम अवहेलना करेंगे। लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला उस वक़्त वहां कोई नहीं था। दिमागी परेशानी के बावजूद बच्चों की खुशी में अपनी खुशी मानते हुए, मन को किसी तरह समझाते हुए वे शांत रहे। वे यह भलीभांति जानते थे कि इसके अलावा वे कुछ कर भी नहीं सकते थे। अपनी और परिवार की समाज में प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए बाबूजी ने दोनों पुत्रों के नहीं चाहते हुए भी उनके विवाह का रिसेप्शन इसी शहर में दिया था। अपने-अपने शहर जाने के बाद वक़्त के साथ दोनों का इस शहर आना धीरे-धीरे कम होता गया था। दोनों भाइयों के दो-दो बच्चे हुए। नेहा के भी दो बच्चे हुए। लेकिन नेहा का बड़ा लड़का अपाहिज था।

कहते हैं न कि परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आतीं। ऐसा ही कुछ नेहा के साथ भी हुआ। राजन की अचानक मालूम चली असाध्य बीमारी और कुछ समय बाद ही उसकी मृत्यु से नेहा का हंसता खेलता संसार ही उजड़ गया। वक़्त ने छोटी उम्र में ही उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा ही बदल दी थी। राजन के साथ देखे भविष्य के सपने टूटकर उसके चारों और बिखरे पड़े थे। उसे अपने चारों ओर अंधकार नज़र आने लगा था। उसके दिल और दिमाग में अपने और बच्चों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बीज पनपने लगे थे। उसकी ज़िंदगी के मायने ही बदल गए थे। राजन का कमाया हुआ अधिकतर पैसा उसके मंहगे इलाज में लग गया था। राजन की मृत्यु के बारह दिन बाद उसके सभी रिश्तेदारों और घरवालों ने एक-एक कर नेहा से किनारा कर लिया था। इसके लिए नेहा ने किसी और को दोष भी नहीं दे सकती थी क्योंकि उसके दोनों भाइयों ने भी ऐसा ही किया था। ऐसे वक़्त पर एक बार फिर पूरी तरह टूट चुके बाबूजी ने उसकी हिम्मत बंधाई। बाबूजी ने पैसों से मदद करने के अलावा बाद में अपने एक जानकार को कहकर उसके स्कूल में नेहा को सहायिका की नौकरी पर भी लगवाया। राजन का खुद का मकान होने के कारण नेहा को अपने बच्चों के साथ गुजारा करने के लिए स्कूल से मिलने वाला पैसा पर्याप्त था। बाबूजी भी उसके बिना मांगे कभी मदद कर दिया करते थे। दोनों भाइयों ने उसकी किसी तरह की भी मदद के बारे में कभी सोचा ही नहीं । उसकी तो बात छोड़ो वो बाबूजी से भी कभी उनकी किसी जरुरत के बारे में नहीं पूछते थे। आर्थिक रुप से सम्पन्न होते हुए भी उन्होंने इस शहर में, बाबूजी के रहने के लिए ही सही, मकान बनाने या खरीदने के बारे में नहीं सोचा। बाबूजी के दुनिया से जाने के बाद मकान तो उन्हे ही मिलना था।

वक़्त के साथ बढ़ती उम्र के कारण बाबूजी का स्वास्थ्य भी गिरता जा रहा था। वे फोन पर भी ढंग से बात नहीं कर पाते थे। जो कल तक दूसरों का सहारा बने रहे आज उन्हे खुद सहारे की जरुरत थी। नेहा ने बाबूजी को कई बार उसके साथ ही रहने के लिए कहा। लेकिन उन्होने उसे अपनी सामाजिक विवशता बताए बिना ही मना कर दिया। वह इस बात को समझ गई थी। उसने दोनों भाइयों को भी फोन पर बाबूजी की समस्या के बारे में विस्तार से कई बार बताया। इस समस्या का निदान इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि भाई न तो इस शहर आना चाहते थे और न ही बाबूजी को इस हालत में साथ में रखना चाहते थे। नेहा बाबूजी का दोनों समय का खाना बनाकर नियम से अपने छोटे बेटे के साथ भेज देती थी। दिन में तो वह एक बार जाकर बाबूजी को खाना खिलाकर और संभालकर आ जाती थी। रात को उसका छोटा बेटा बाबूजी का ध्यान रखने, समय पर खाना खिलाने और दवा आदि देने के लिए उनके पास ही रहता था। उनके मोहल्ले वाले भी नेहा के दोनों भाइयों के इस तरह के व्यवहार से सोच में पड़ जाते थे कि कोई भी व्यक्ति अपने पिता के साथ ऐसे कैसे कर सकता था। एक हो तो छोड़ो यहां तो उसके दोनों ही भाई समान मानसिकता वाले थे। उनकी पत्नियां और बच्चे भी न जाने बाबूजी के बारे में कैसी सोच रखते थे? बाबूजी अपनी लड़खड़ाती हुई जुबान से उसे आशीर्वाद देते हुए कहते थे नेहा, बेटी होते हुए भी तू बेटे का फर्ज़ निभा रही है। जबकि भगवान ने मुझे दो बेटे दिए हैं । भगवान ने भी तेरी किस्मत में न जाने कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी हैं..... यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो जाती थीं। नेहा प्यार से उनका हाथ अपने सिर पर रख देती थी।

दो दिन पहले ही बाबूजी का स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने पर उसने दोनों भाइयों को स्थिति से अवगत करा यहां बुला लिया था। अगले दिन जब तक वो यहां पहुंचते उससे पहले ही बाबूजी अपना नश्वर शरीर छोड़कर दुनिया से दूर कभी न लौटकर आने के लिए जा चुके थे। घर से बाबूजी की अंतिम यात्रा के समय बिलखती हुई नेहा की आंखों से बहते आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। वहीं बाबूजी के दोनों पुत्रों और पुत्र वधूओं की आंखें नम तक नहीं हुई थीं। उनके बच्चे भी चेहरे पर बिना किसी भाव के वहां खड़े थे। ताउम्र अभावग्रस्त ज़िंदगी जीने वाले बाबूजी का नश्वर शरीर उनके पास खड़े महंगे कपड़े, घड़ी, स्वर्ण आभूषण पहने और चमचमाती विदेशी कारों में आए अपने ही पुत्रों और पौत्रों को देख नहीं पा रहा था। जिनको उन्होने खुद को भुलाकर इस क़ाबिल बनाया। दोपहर को बाबूजी का अंतिम संस्कार करने के बाद सभी घर आ गए थे। शाम को पंडित जी ने उसके भाइयों को बाबूजी की मृत्यु के तीसरे, दसवें और बारहवें दिन होने वाले धार्मिक कार्यों और पूजा आदि के बारे में बताया। इन दिनों में पूजा और अन्य काम में आने वाले सामान की लिस्ट देकर अगले दिन आने का कहकर पंडित जी चले गए। सामान की लिस्ट देखकर दोनों भाई एक दूसरे से धीमी आवाज में बातें करने लगे।

कुछ देर बाद नेहा की ओर देखते हुए एक भाई ने कहा आजकल समय किसके पास है जो किसी की मृत्यु उपरांत ये सब पाठ पूजा पाठ करे। बाबूजी छोड़कर भी कुछ नहीं गए हैं। इसलिए हम लोग तीन दिनों तक ही शोक रखेंगे । पंडित जी को कल हम कह देंगे कि जरुरी धार्मिक और सामाजिक कार्य तीन दिनों में ही पूरे करवा दें। मृत्यु भोज में हम विश्वास नहीं रखते। हमारे लिए यह केवल पैसों की बर्बादी है। तीन दिन के बाद हम अपने-अपने शहर चले जाएंगे। हमारा यहां पर इसके बाद काम ही क्या है ? यहां पर अपने साथ रखने, बेचने या ले जाने लायक बाबूजी का कोई सामान है नहीं। किराये के इस मकान को खाली करके सामान किसी गरीब को दे देंगे......... यह सुनते ही नेहा की आंखें नम हो गईं। उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति में वह क्या बोले और क्या करे? सामाजिक और संस्कारित माता-पिता के दोनों पुत्रों की यह कैसी मानसिकता थी? वह उन्हें बिना कुछ कहे अपने घर लौट आई। उसे अपने अपाहिज पुत्र को भी संभालना था। वह बाबूजी की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए धर्म और शास्त्रों के अनुसार बारह दिन तक होने वाला हर काम कराना चाहती थी। दोनों भाइयों ने बाबूजी के लिए उनके जीवनकाल में एक पैसा भी नहीं खर्चा था । उनकी मृत्यु के बाद भी कुछ खर्च करने के लिए दोनों तैयार नहीं थे।

अचानक ऑटो चालक की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी। उसने देखा कि वह बाबूजी के घर पहुंच गई थी। धीमी बारिश उस समय भी हो रही थी। उसने चालक को पैसे दिए और अपना थैला संभालते हुए घर के अंदर आ गई। दोनों भाई सपत्नीक किसी बातचीत में मशगूल थे। उसे देखकर सभी चुप हो गए । उसने अपने भाइयों से बाबूजी की मृत्यु के बाद होने वाले सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार ही कराने का कहा। इससे पहले कि वो कुछ बोलते, उसने अपने थैले में से रुपये निकालकर उनके सामने रखते हुए कहा बाबूजी ने अपने गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए बैंक में अपने बचे हुए सारे रुपये निकालकर मेरे यहां रख दिए थे। अपनी जरुरत के अनुसार वे मुझसे रुपये ले लिया करते थे। यह रुपये लगभग दो लाख रुपये हैं। बारह दिनों तक सारा खर्च और दान बाबूजी के इन्ही रुपयों से किया जाएगा। यदि कुछ रुपये बच जाएं तो तुम दोनों भाई आपस में बराबर बांट लेना। भाइयों के कुछ बोलने से पहले ही पंडित जी भी वहां पहुंच गए। नेहा ने अधिकारपूर्वक पंडित जी को सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार करने के लिए कहा। उसके भाई भी इसके लिए सहमत थे। यह कहकर कुछ देर बाद वह बाबूजी की छड़ी, चश्मा और चप्पल अपने भाइयों को दिखाते हुए थैले में डालकर अपने घर के लिए रवाना हो गई।

बाहर बारिश थम चुकी थी। लेकिन उसकी आंखों से आंसुओं की बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। बाबूजी ने जो रुपये नेहा को उसके अपाहिज पुत्र के इलाज के लिए दिए थे, वे रुपये उसने बाबूजी की मृत्यु के बाद बारह दिनों तक होने वाले सभी खर्चों, दान और भाइयों के लिए दे दिए थे। बाबूजी उसे कहा करते थे कि भगवान ने भी न जाने उसकी किस्मत में कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी थीं। बाबूजी के आशीर्वाद से आज वह अपना फर्ज़ निभाते हुए एक और परीक्षा में पास हो गई थी।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम् (2)

शिवोऽहम के संदर्भ में आज निर्वाण षटकम के दूसरे श्लोक पर विचार करेंगे।

न च प्राणसंज्ञो न वै पंचवायुः
न वा सप्तधातुः न वा पंचकोशः।
न वाक्पाणिपादं न चोपस्थपायु
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम।।

न मैं मुख्य प्राण हूँ और न ही मैं पंचप्राणों में से कोई हूँ। न मैं सप्त धातुओं में से कोई हूँ, न ही पंचकोशों में से कोई । न मैं वाणी, हाथ, अथवा पैर हूँ, न मैं जननेंद्रिय या मलद्वार हूँ। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के इस अद्भुत आत्मपरिचय को यथासंभव समझने का प्रयास जारी रखेंगे। वैदिक दर्शन में प्राण को ही प्रज्ञा भी कहा गया। शाखायन आरण्यक का उद्घोष है,

यो व प्राणः सा प्रज्ञा, या वा प्रज्ञा स प्राणः
अर्थात जो प्राण है, वही प्रज्ञा है। जो प्रज्ञा है वही प्राण है।

प्राण, वायु के माध्यम से शरीर में संचरित होता है। संचरण करने वाली वायु पाँच स्थानों पर मुख्यत: स्थित होती है। इन्हें पंचवायु कहा गया है। पंचवायु में प्राण, अपान, समान, व्यान, और उदान समाविष्ट हैं।

स्थूल रूप से समझें तो प्राणवायु का स्थान नासिका का अग्रभाग माना गया है। यह सामने की ओर गति करने वाली है। प्राणवायु देह तथा प्राण की अधिष्ठात्री है। अपान का अर्थ है नीचे जाने वाली। अपान वायु गुदा भाग में होती है। मूत्र, मल, शुक्र आदि को शरीर के निचले भाग की ओर ले जाना इसका कार्य होता है। समान वायु संतुलन बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका स्थान आमाशय बताया गया है। भोजन का समुचित पाचन इसका दायित्व है। व्यान वायु शरीर में सर्वत्र विचरण करती है। इसका स्थान हृदय माना गया है। रक्त के संचार में इसकी विशेष भूमिका होती है। उदान का अर्थ ऊपर ले जाने वाली वायु है। अपने उर्ध्वगामी स्वभाव के कारण यह कंठ, उर, और नाभि में स्थित होती है। वाकशक्ति मूलरूप से इस पर निर्भर है।

इसी तरह त्वचा, मांस, मेद, रक्त, पेशी, अस्थि एवं मज्जा, शरीर की सप्तधातुएँ हैं। इनमें से किसी एक के अभाव में मानवशरीर की रचना दुष्कर है। शरीर में इनका संतुलन बिगड़ने पर अनेक प्रकार के विकार जन्म लेते हैं।

अन्नमय, मनोमय, प्राणमय, विज्ञानमय, आनंदमय, शरीर के पंचकोश हैं। हर कोश का नामकरण ही उसे परिभाषित करने में सक्षम है। विभिन्न कोशों द्वारा चेतन, अवचेतन एवं अचेतन की अनुभूति होती है।

जगद्गुरु उपरोक्त श्लोक के माध्यम से अस्तित्व का विस्तार प्राण, पंचवायु, सप्तधातु, पंचकोश से आगे ले जाते हैं। तीसरी पंक्ति में वर्णित वाणी, हाथ, पैर, जननेंद्रिय अथवा गुदा तक, स्थूल या सूक्ष्म तक आत्मस्वरूप को सीमित रखना भी हाथी के जितने भाग को स्पर्श किया, उतना भर मानना है।

विवेचन करें तो मनुष्य को ज्ञात सारे आयामों से आगे हैं शिव। शिव का एक अर्थ कल्याण होता है। चिदानंदरूप शिव होना मनुष्यता की पराकाष्ठा है। इस पराकाष्ठा को प्राप्त करना, हर जीवात्मा का लक्ष्य होना चाहिए।

बोध कथा

घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा।

फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया।

पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा।

चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

कहानी से सीख

हमें अपनी ताकत पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी ताकत के जोर पर दूसरों को परेशान करने की जगह उनकी मदद करनी चाहिए।

वीर गाथा

से. लेफ्टिनेंट राजीव संधू : लहूलुहान होने के बावजूद उग्रवादियों के खूंखार एजेंट को मार गिराया

सेकंड लेफ्टिनेंट राजीव संधू का जन्म 12 नवंबर, 1966 को चंडीगढ़ में हुआ था। माता जयकांता संधू और पिता देविंदर सिंह संधू के बहादुर बेटे राजीव को सेना में जाने की प्रेरणा अपने दादा से मिली, जो नेताजी सुभाष की आज़ाद हिंद फ़ौज में सैनिक थे। देविंदर सिंह भी वायुसेना में सेवाएं दे चुके हैं।

राजीव ने स्कूली पढ़ाई चंडीगढ़ से की थी। इसके बाद डीएवी कॉलेज से स्नातक किया। वे मार्च 1988 में सेना की असम रेजिमेंट की 7वीं बटालियन में शामिल हुए थे, जिसे श्रीलंका में शांति स्थापना के लिए भेजा गया था।

19 जुलाई, 1988 को राजीव एक छोटे काफिले का नेतृत्व करते हुए राशन के लिए जा रहे थे। जब उनका काफिला एक खाली इमारत के नजदीक से गुजर रहा था, तभी उग्रवादियों ने हमला बोल दिया। इससे दो जवान वहीं शहीद हो गए। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। राजीव भी उग्रवादियों के निशाने पर थे। उन पर रॉकेट से हमला किया गया, जिससे दोनों पैरों को चोट लगी। तेज दर्द को बर्दाश्त करते हुए राजीव अपनी जीप से बाहर निकले और उग्रवादियों को मार गिराने का संकल्प लिया।

उस समय एक उग्रवादी अपने ठिकाने से बाहर आया। वह सैनिकों के हथियार तथा गोला-बारूद ले जाना चाहता था। उधर, राजीव के दोनों पैर बिल्कुल भी काम नहीं कर रहे थे, शरीर में कई गोलियां लगने से खून बह रहा था, लेकिन उन्होंने बंदूक उठाई और उग्रवादी को मार गिराया।

बाद में पता चला कि वह एक सेक्टर कमांडर उग्रवादी के नीचे सक्रिय खूंखार एजेंट था। उसके खात्मे से अन्य उग्रवादी बौखला गए। उन्होंने राजीव की ओर गोलियों की तेज बौछार की। से. लेफ्टिनेंट जानते थे कि अब सांसों की डोर टूटने वाली है, लेकिन उग्रवादियों को भरपूर जवाब दिया और उन्हें हथियार नहीं लूटने दिए। इसी दौरान सेना की एक और टीम वहां पहुंच गई। उसने उग्रवादियों को ललकारा। इससे घबराकर उग्रवादी जंगल की ओर भाग गए।

सेकंड लेफ्टिनेंट राजीव संधू ने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ आखिरी सांस तक मुकाबला जारी रखा। शांति स्थापना के लिए उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दौरा

नई दिल्ली में शनिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक तथ्य-खोजी टीम ने नई दिल्ली के रोहिणी में कई मौतों की सूचना के बाद मानसिक रूप से विकलांग लोगों के लिए एक सरकारी गृह आशा किरण का दौरा किया।

मेटा ने इतिहास का सबसे बड़ा 'ओपन' एआई मॉडल लॉन्च किया, व्यापक हित में साबित होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में एक लड़ाई चल रही है। एक तरफ ऐसी कंपनियां हैं जो अपने उन्नत सॉफ्टवेयर के पीछे डेटासेट और एल्गोरिदम को निजी और गोपनीय रखने में विश्वास करती हैं। दूसरी ओर ऐसी कंपनियां हैं जो जनता को यह देखने की अनुमति देने में विश्वास करती हैं कि उनके परिष्कृत एआई मॉडल के के पीछे आखिर क्या है। इसे खुले और बंद स्रोत एआई के बीच की लड़ाई के रूप में देखा जा सकता है।हाल के सप्ताहों में, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने बड़े एआई मॉडल का एक नया संग्रह जारी करके ओपन-सोर्स एआई के लिए बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ी। इनमें लामा 3.1 405बी नाम का एक मॉडल शामिल है, जिसके बारे में मेटा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी, मार्क जुकरबर्ग कहते हैं, पहला फ्रंटियर-स्तरीय ओपन सोर्स एआई मॉडल है। ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए जो ऐसे भविष्य की परवाह करता है जिसमें हर कोई एआई के लाभों तक पहुंच सके, यह अच्छी खबर है।

क्लोज्ड-सोर्स एआई उन मॉडलों, डेटासेट और एल्गोरिदम को संदर्भित करता है जो स्वामित्व वाले होते हैं और गोपनीय रखे जाते हैं। उदाहरणों में चैटजीपीटी, गूगल का जेमिनी और एंथ्रोपिक का क्लाउड शामिल हैं। हालाँकि कोई भी इन उत्पादों का उपयोग कर सकता है, लेकिन यह पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि एआई मॉडल या टूल बनाने के लिए किस डेटासेट और स्रोत कोड का उपयोग किया गया है।

हालाँकि यह कंपनियों के लिए अपनी बौद्धिक संपदा और अपने मुनाफे की रक्षा करने का एक शानदार तरीका है, लेकिन इससे सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही को कम करने का जोखिम है। एआई प्रौद्योगिकी को बंद-स्रोत बनाने से भी नवाचार धीमा हो जाता है और कंपनी या अन्य उपयोगकर्ता अपनी एआई जरूरतों के लिए एक ही मंच पर निर्भर हो जाते हैं।

भारत ने युद्ध प्रभावित यूक्रेन से अपने छात्रों को निकालकर वैश्विक उदाहरण प्रस्तुत कियाः कोविंद

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि भारत ने यूक्रेन से अपने छात्रों को निकालकर विश्व के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दोनों देशों (रूस तथा यूक्रेन) के साथ 24 घंटे के युद्धविराम के लिए बातचीत करने के बाद ऐसा संभव हो सका।

यहां पांचवें डॉ. राजाराम जयपुरिया स्मारक व्याख्यान में कोविंद ने कहा कि भारत विश्वगुरु बनने की राह पर है और उन्होंने युवाओं से इसमें योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कई उदाहरण भी दिए कि कैसे भारत ने खुद को वैश्विक शक्ति साबित किया है, जिसमें हाल में विधायिका में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी शामिल है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बात करते हुए कोविंद ने कहा कि हर किसी को उम्मीद थी कि यह एक या दो महीने में खत्म हो जाएगा, यही वजह है कि कई भारतीय छात्र युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंस गए। कोविंद ने कहा, जब छह-आठ महीने बीत गए, तो स्थिति ऐसी हो गई कि गुजारा करना मुश्किल हो गया। छात्रों के अभिभावकों की चिंता पर सरकार ने गौर किया। मैं जानबूझकर यह उदाहरण दे रहा हूं, मैं उस समय राष्ट्रपति भवन में था। उन्होंने कहा, मैंने पूछा कि इतने सारे भारतीय छात्र यूक्रेन क्यों जाते हैं। मुझे बताया गया कि वहां मेडिकल की पढ़ाई सस्ती है। हमारे छात्र फंस गए, अगर उन्हें कुछ हो जाता तो सरकार जिम्मेदार होती। यह हालांकि सरकार की जिम्मेदारी नहीं थी, माता-पिता ने उन्हें वहां भेजा था, लेकिन सरकार को दोषी ठहराया जाता।

कोविंद ने कहा, हमारी सरकार ने एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने खुद को एक वैश्विक ताकत साबित किया है और दोनों देशों (रूस और यूक्रेन) से 24 घंटे के लिए युद्ध विराम के लिए बात की है। उन्होंने कहा, दोनों बड़े देश हैं। यदि कोई अन्य देश हस्तक्षेप करता तो क्या वे सहमत होते? नहीं। कोविंद ने दावा किया, हमारे प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन से बात की और शुक्र है कि दोनों सहमत हो गए। चौबीस घंटे के लिए युद्ध रुक गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान और चीन जैसे अन्य देशों के छात्र भी फंसे हुए हैं, लेकिन उनकी सरकारें उन्हें निकाल नहीं पा रही हैं।

कोविंद ने कहा कि भारत सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, महिला शक्ति वंदन अधिनियम एक प्रगतिशील कानून है...जब अमेरिका को आजादी मिली, तो महिलाओं को लंबे समय तक मतदान का अधिकार नहीं था।

आधार शिला

नवादा में शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा के वारसलीगंज में अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री की आधारशिला रखी।

ह्यूस्टनः मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ा प्रवासी समुदाय

ह्यूस्टन (अमेरिका)/भाषा। पर्यावरण को बचाने की पहल में प्रवासी समुदाय को शामिल करने के लिए यहां स्थित भारतीय मिशन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए पौधारोपण अभियान के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने विभिन्न सामुदायिक और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से जुलाई माह में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का लक्ष्य भारत में सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से सितंबर 2024 तक 80 करोड़ पेड़ और मार्च 2025 तक एक अरब 40 करोड़ पेड़ लगाना है।

प्रधानमंत्री ने भारत और विश्व भर में सभी लोगों से प्रकृति को श्रद्धांजलि स्वरूप एक पेड़ लगाने का आग्रह किया।

वाणिज्य दूतावास ने कई पौधारोपण कार्यक्रम और एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की। इन कार्यक्रमों में स्थानीय समुदाय और प्रवासी भारतीय शामिल हुए तथा पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक तौर पर काम करने के महत्व पर जोर दिया गया।

वाणिज्य दूतावास ने छात्रों और भारतीय अमेरिकी समुदाय के सहयोग से छह स्थानों पर पौधारोपण अभियान चलाया।

इस अवसर पर 'हैशटैग' एक पेड़ मां के नाम विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि इन आयोजनों के माध्यम से भारतीय मिशन स्थानीय समुदाय और प्रवासी समूहों को इन पहल में शामिल होने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

फिल्म 'खेल खेल में' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म खेल खेल में का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। कॉमेडी-ड्रामा खेल खेल में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, अम्मी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जैसवाल और फरदीन खान की अहम भूमिका हैं। फिल्म 'खेल खेल में' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।'खेल खेल में' दोस्तों की कहानी दिखाई गई है, जो खेल-खेल में एक दूसरे के राज खोलते हुए दिखेंगे। ट्रेलर में देखने को मिला है कि सभी दोस्त एक पार्टी का प्लान बनाते हैं, जहां सारी लड़कियां मिलकर एक गेम खेलने का आइडिया देती हैं। इस खेल में सभी को अपने फोन अनलॉक करके सबके सामने मेज पर रखने होते हैं। किसी के भी फोन पर कई कॉल या मैसेज आएगा उसे सबके सामने उठाना होता है। इसके बाद सभी के रिश्तों में भूचाल आना शुरू हो जाता है।

अक्षय कुमार ने फिल्म का ट्रेलर साझा कर लिखा, 'खेल खेल में दोस्ती और प्यार का रंग चढ़ेगा। मस्ती और मजाक, सब कुछ मिलेगा। टी-सीरीज़ फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन की फिल्म खेल खेल में का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया हैं। यह फिल्म भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। फिल्म खेल खेल में 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी।

'सिटाडेल हनी बनी' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

वरुण धवन और साउथ इंडियन एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की एक्शन से भरपूर वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' कई दिनों से सुर्खियां बटोर रही थी। आज गुरुवार (1 अगस्त) को इसका टीजर रिलीज किया गया। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। इसमें वरुण एक्शन मोड और बंदूक से अंधाधुंध फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। फैंस उनके इंटेस लुक पर फिदा हुए जा रहे हैं।

सामंथा खुफिया जासूस के रूप में कई राज छुपाए दिख रही हैं। सीरीज के 1 मिनट 33 सैकंड के इस टीजर में बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर 'रात बाकी' गाना भी माहौल सेट कर रहा है। मेकर्स की तरफ से सीरीज की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। यह सीरीज 7 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। इसमें केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजमुंदर की भी अहम भूमिका है। ये सभी टीजर में दिख रहे हैं। कुछ दिन पहले ही वरुण और सामंथा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर सीरीज का एक पोस्टर जारी कर कहा था कि 1 अगस्त को वह कुछ सरप्राइज देने वाले हैं।

तीज

अमृतसर में शनिवार को कॉलेज की छात्राएं अमृतसर के शहजादा नंद कॉलेज में हिंदू त्योहार तीज मनाने के लिए लोकप्रिय लोक नृत्य 'गिद्दा' करती हुई।

वेदा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है : शरवरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी का कहना है कि फ़िल्म वेदा उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है। 'मुंजा' के साथ 100 करोड़ के बॉक्स ऑफिस हिट और 'महाराज' के साथ ग्लोबल स्ट्रीमिंग हिट के बाद, शरवरी अपनी तीसरी फिल्म 'वेदा' की रिलीज के लिए तैयार हैं! शरवरी ने कहा,मैं सच में बहुत खुश हूँ और इस खास पल का आनंद ले रही हूँ, और यह मेरे जीवन का विशेष पल मेरे निर्देशक निखिल आडवाणी और उनके मुझ पर अटूट विश्वास के कारण संभव हो पाया है। मैंने अभिनय के प्रति अपने प्यार के लिए इस उद्योग में कदम रखा। मैं निर्देशक की अभिनेत्री हूँ और कहानी के प्रति समर्पित हूँ। तो जो कुछ भी लोग पसंद कर रहे हैं, वह सब निखिल सर का 'वेदा' के लिए विजन है।

शरवरी ने कहा,मुझे उम्मीद है कि वेदा हमारे लिए बहुत बड़ी सफलता बनेगी। मैं बहुत लालची हूँ। मैं चाहती हूँ कि मेरी सभी फिल्में हिट हों! इस उद्योग में आई थी, मेरी पहली फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और फिर मुझे महामारी के कारण 3 साल इंतजार करना पड़ा जिससे मेरी फिल्में रिलीज हों और अच्छा करें।मैं निखिल आडवाणी सर की बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे एक महत्वपूर्ण फिल्म और 'वेदा' जैसा रोल दिया जब कुछ ही लोग मुझे इंडस्ट्री में समर्थन दे रहे थे। वेदा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है, मेरे अस्तित्व और मेरी तरक्की के लिए।

शरवरी ने कहा,मैं चाहती हूँ कि वेदा निखिल सर, मोनिशा मैम, मधु मैम और जॉन के लिए बड़ी हिट हो, जिन्होंने मुझे यह भूमिका निभाने के लिए भरोसा किया और सच्चे मेंटर की तरह हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जॉन की सलाह और उनके शब्द हमेशा मेरे कानों में गूंजते रहेंगे। कल्पना कीजिए, मैं इस देश के सबसे बड़े एक्शन सुपरस्टार के साथ एक्शन कर रही हूँ! यह मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। वेदा के ट्रेलर को जो प्यार मिल रहा है, वह हम सभी के लिए अविश्वसनीय भावना है। मैं दर्शकों का भी इस प्यार के लिए धन्यवाद देती हूँ। आप ही वह कारण हैं जिससे मैं इस उद्योग में फल-फूल रही हूँ। इसलिए, मैं यह सब आपके लिए भी समर्पित करती हूँ।

अनुपम खेर ने 'द इंडिया हाउस' की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आने वाली फिल्म द इंडिया हाउस की शूटिंग शुरू कर दी है। द इंडिया हाउस, अनुपम खेर के सिने करियर की 542वीं फिल्म है, जिसकी शूटिंग उन्होंने शुरू कर दी है। निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने कहा,अनुपम खेर का काम जुनून और समर्पण की शक्ति का एक वसीयतनामा है।

उनके प्रदर्शन न केवल शानदार हैं बल्कि मानवीय भावना की गहन खोज हैं जो मैं हमेशा अपनी फिल्मों में चाहता हूं। उनके साथ सहयोग करना सच्ची कलात्मकता के दिल में एक प्रेरणादायक यात्रा रही है। अनुपम खेर और अभिषेक अग्रवाल की साझेदारी द कश्मीर फाइल्स और उसके बाद कार्तिकेय 2 की शानदार सफलता के साथ शुरू हुई, पिछले कुछ वर्षों में और भी मजबूत हुई है। इसके बाद, उन्होंने द वैक्सीन वॉर और टाइगर नागेश्वर राव जैसी अन्य उल्लेखनीय फिल्मों के लिए भी हाथ मिलाया।

द इंडिया हाउस में निखिल सिद्धार्थ (कार्तिकेय 2 फेम) मुख्य भूमिका में होंगे। राम वामसी कृष्ण द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल और विक्रम रेड्डी द्वारा अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और वी मेगा पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। ग्लोबल स्टार और 'आरआरआर' अभिनेता राम चरण द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 2025 में मेगा रिलीज के लिए तैयार है।

नेगेटिव रोल कई चीजों को एक्सप्लोर करने का देता है मौका : एकता तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस एकता तिवारी इन दिनों टीवी शो 'गुड़िया रानी' में नजर आ रही हैं। इसमें वह 'फूल' का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। अपने रोल को लेकर एक्ट्रेस का मानना ङ्कङ्कहै कि इस तरह के किरदार से एक्टर को यूनिक चीजें एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है, जो एक्सपीरियंस को आगे बढ़ाती हैं। एकता ने बताया कि यह रोल उनके द्वारा निभाए गए अन्य किरदारों से कितनी अलग है। एक्ट्रेस ने कहा, किसी भी प्लेटफॉर्म या प्रोजेक्ट पर पॉजिटिव या नेगेटिव किरदार निभाना एक जिम्मेदारी है, और मुझे लगता है कि एक एक्टर आसानी से उनके बीच स्विच कर सकता है। हालांकि, लीड हीरो के किरदार को निभाने में कुछ सीमाएं होती हैं। ऐसे किरदारों को जिम्मेदार, नैतिक और विचारशील दिखना होता है। एक राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के नजरिए से, पॉजिटिव रोल की कई सीमाएं हैं।''

एकता ने आगे कहा, नेगेटिव रोल, भले ही वे हिंसक न हो, लेकिन एक एक्टर के तौर पर कई चीजें एक्सप्लोर करने का मौका देता है। पहली बार, मैं 'गुड़िया रानी' में एक नेगेटिव किरदार निभा रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरा रोल काफी कलरफुल है। यह केवल सिर्फ एन्जॉय करने के बारे में नहीं है, यह इससे भी कहीं आगे है। नेगेटिव किरदारों के लिए अक्सर इंटेंस और शार्प परफॉर्मेंस की जरूरत होती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट होने का डर है, तो एकता ने अपने जवाब में कहा, टाइपकास्ट होने का कोई डर नहीं है, मजा अलग-अलग एक्सपीरियंस लेने में है। हां, हमारे इंडस्ट्री में सभी कलाकारों को टाइपकास्ट करने का चलन है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। चाहे मैं कितना भी नेगेटिव किरदार निभाऊं, मुझे नहीं लगता कि मैं टाइपकास्ट हो जाऊंगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

आचार्य आनंद ऋषि परमात्मा, गुरु के प्रति श्रद्धावान थे : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शनिवार को श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने नौ दिवसीय आनंद जन्मोत्सव के तहत सातवें दिन एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर मे श्रोताओं और तेले तप की तपस्या करने वाले तपस्वियों को धर्मसभा मे संबोधित करते हुए कहा कि शास्त्रकार उल्लेख करते हैं कि छः स्थानों से संपन्न अनुराग समूह का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त है। हम चर्चा कर रहे हैं उस महापुरुष की, जिन्होंने छोटी उम्र में संयम ग्रहण किया। जो उम्र खेलने, कूदने की है, मन को बहलाने की है, जिम्मेदारी टालने की है, उस उम्र में उन्होंने दीक्षा ली। दीक्षा भी ले ली रत्न ऋषि महाराज के पास, जो अपने आप में कठोर प्रशिक्षक थे। उनके प्रशिक्षण में अनुशासन रहता था परन्तु वात्सल्य, प्रेम भी उतना ही रहता था। जो बालक मुनि, साधु, शिष्य बना, उसने गुरु के चरणों में संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। जो पत्थर छन्नी, हथौड़े की मार सहन कर सकता, वही प्रतिमा बन सकता है। हम जब गुरुदेव से उनके गुरु की बात करते थे तो उनके वात्सल्य को याद कर उनका हृदय भर आता था। उसी समय प्रौढ़ावस्था में मोती ऋषि महाराज ने दीक्षा ली। गुरुदेव साधना में लीन रहते थे। लेकिन मोती ऋषि महाराज सारी चीजें संभालते थे। गुरुदेव का भी ध्यान सब ओर रहता था। उन्होंने कहा एष्णा समिति केवल गोचरी लाने में लागू नहीं रहती। गोचरी में बैठते समय भी उसका पालन किया जाता था। गुरुदेव छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते थे।

आचार्य आनंद ऋषिजी का संस्मरण सुनाते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने दो चातुर्मास मुंबई में किए। उसी समय तत्कालीन आचार्यश्री का देवलोकगमन हुआ और अब चर्चा होने लगी आगामी आचार्य की। श्रावक-श्राविकाओं ने वरिष्ठ संतों से सलाह कर निर्णय लिया कि उपाध्याय आनंद ऋषि को आचार्य पदवी दी जाए। उन्होंने कहा जो शिष्य गुरु के अनुशासन में रहकर तैयार हुए, उनकी योग्यता है कि वे गुरु पद पर आ गए। वे दूसरों के लिए आदर्श बन गए। उन्होंने कहा कि आचार्य पदवी की छः गुणवत्ता होनी चाहिए, पहली वह श्रद्धाशील हो। जिसके भीतर परमात्मा, गुरु के प्रति आस्था हो। आनंद ऋषिजी को कभी माला गिनते हुए नहीं देखा। वे मन की माला गिनते थे। जो श्रद्धाशील हो, वह कैसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होता। परमात्मा, गुरु के प्रति उनकी श्रद्धा चट्टान की तरह मजबूत थी। उन्होंने जो नियम बना लिया वह कभी नहीं बदलता। आनंद ऋषिजी गोचरी ग्रहण करते समय मौन रहते थे। वे अपने ज्ञान, ध्यान, प्रत्येक नियम के प्रति सजग रहते थे। उन्होंने जो कह दिया, उसका पालन होता था। तीर्थंकर की आज्ञा के अनुरूप आचार्य की आज्ञा होती है। लेकिन वे सभी संतों से पूछते थे। उन्होंने अपने आदेश का कभी उपयोग नहीं किया। जितनी बात करनी है उसकी मर्यादा में रहते थे। इस कारण वे सबके श्रद्धा का पात्र बन गए। श्रद्धाशील होने के साथ आचार्य यथार्थवादी, मर्यादावान, अपने संघ के हितकारी, शक्ति संपन्न व स्वस्थ शरीर वाले और कलह- विवाद में नहीं उलझने वाले हो। इन कारणों से उनके अलग- अलग योग्यता वाले शिष्य बने। विवाद में नहीं उलझने की विशेषता उनमें पहले से ही थी। ये उनकी योग्यता का कारण था कि उन्हें आचार्य पद दिया गया। श्रमण संघ का सौभाग्य है कि तीस साल तक आचार्य के रूप में उनका मार्गदर्शन मिला। ऐसे महापुरुषों का स्मरण करें और उनके गुणों को ग्रहण करें। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने युवाचार्यश्री से सामूहिक तेले तप के तहत उपवास के पचक्खाण लिए। सोमवार को आचार्य आनंद ऋषिजी की जन्म जयंती तप- जप के साथ विराट रूप मे मनाई जाएगी। महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने बताया सूरत, मुंबई राजस्थान आदि क्षेत्रों से कई श्रद्धालु युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। धर्मसभा का संचालन कमल छल्लाणी ने किया।

पोषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अपैक्स की गाइडलाइन्स के अंतर्गत शनिवार को माइल्स की सदस्यों द्वारा एग्मोर स्थित मैटरनिटी हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं को पोषण मिल सके इसलिए बादाम वितरित किए। नवजातों के लिए बेबी किट बांटे गए। प्रमिला जैन ने महिलाओं को स्तनपान के बारेमें सजग किया। उन्होंने स्तनपान की उपयोगिता के बारे में बताया। इस मौके पर माइल्स की अध्यक्ष सरिता बालेचा, सचिव शिल्पाजैन, मंजु कोठारी, प्रमिला जैन आदि उपस्थित थे।

सनातन धर्म विद्यालय एसोसिएशन का वार्षिक क्रीड़ा मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शनिवार को सनातन धर्म एसोसिएशन के तत्वावधान में संचालित चार विद्यालयों का श्री स.ध. विद्यालय मै. हा. से. स्कूल, मो. फो.स.ध. हा. से. स्कूल, के. ए. बालनिकेतन प्राथमिक विद्यालय और शक्ति पब्लिक स्कूल का संयुक्त खेल दिवस का आयोजन 'जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीजी वैष्णव कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस. सन्तोष बाबू रहे। विशेष अतिथि की भूमिका में अखिल भारतीय महिला समिति तथा ट्राइबल समाज की उपाध्यक्ष विमला दम्मानी रही।

आगन्तुकों का स्वागत संगठन अध्यक्ष आर. के. झंवर ने किया। चारों विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने मनमोहक बैण्ड पार्टी के साथ सधे कदमों से पथ संचलनकर दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के मुखारबिन्द से खेल दिवस के आगाज की ओलम्पिक टार्च प्रज्ज्वलित कर घोषणा की गई। मुख्य अतिथि का पारंपरिक सम्मान शाल ओढ़ाकर अनिल दलाल ने किया तथा स्मृति चिन्ह आर के झंवर ने प्रदान कर किया। तत्पश्चात् विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर दर्शकों का मनोरंजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता का रिले कराकर विजयी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया तथा सम्मान कर प्रोत्साहित किया गया। चारों विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस की उपलब्धियों पर वार्षिक-प्रतिवेदन प्रस्तुत किये। अन्तोगत्वा पन्नालाल बिहानी ने सभी के प्रति तहे दिल से कृतज्ञता ज्ञापित किया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय संगठन के सदस्य विजय महेश्वरी, केके महेश्वरी, अशोक कुमार मुंदडा, अरुण मिमानी, पन्नालाल बिहानी, एसएम दमानी, आरसी डागा, एसपी बाहेती आदि गणमान्य लोग अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम की शोभा में चार चाँद लगा दिये।

अग्रवाल विद्यालय जूनियर कॉलेज के वार्षिकोत्सव में हुआ सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल विद्यालय एण्ड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में 2 अगस्त को दसवी और बारहवी की बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मेधावी छात्र छात्राओं और श्रेष्ठ अध्यापकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में भारतीय राजस्व सेवा उप आयकर निदेशक (जाँच) टी. मुरलीधरन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सेंट थॉमस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस की प्रधानाचार्या डीटीएस प्रेमा ने पदाधिकारियों के साथ मिलकर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी का स्वागत एआरईटी बोर्ड के प्रबंध न्यासी तथा विद्यालय सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया ने किया।

संयुक्त संवाददाता तथा सांस्कृतिक अध्यक्ष शालिनी अग्रवाल, एआरईटी बोर्ड के संयुक्त प्रबंध न्यासी तथा विद्यालय अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, एआरईटी बोर्ड के अध्यक्ष हरीश सांघी और सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया ने पुष्प गुच्छ, शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया।

अध्यक्ष मधुसूदन खेमका ने विद्यालय की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए उसका श्रेय शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्रों को देते हुए सभी को धन्यवाद किया एवं बधाई दी। प्रधानाचार्या श्रीमती सी. विजयलक्ष्मी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने विद्यालय मैगजीन 'अग्र ज्योति' का लोकार्पण किया एवं प्रथम प्रति अध्यक्ष मधुसूदन खेमका को प्रदान की। इस मौके पर शिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने के लिए अध्यापकों का सम्मान किया गया। सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली मेरिट के विद्यार्थियों का भी कार्यक्रम में सम्मान हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्वोकेशन, रूट, लाइब्रेरी, फ्युजन, नेचर, वूमन इम्पावरमेंट तथा सेलीब्रेशन एक्ट आदि मनमोहक नृत्यों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस समारोह में एआरईटी बोर्ड के उपाध्यक्ष बीपी झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार तोदी, विद्यालय कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका, संयुक्त सचिव राजेश छावछरिया, समिति सदस्य सज्जन कुमार रुंगटा , रामेश्वरलाल अग्रवाल, मनोहरलाल बगड़िया, मुकेश गुप्ता, गौरव जैन, विवेक अग्रवाल, विवेक बुकडीवाला, मीता गोइंका, शारदा अग्रवाल, शिल्पा जलान, डीएसएवी की प्रधानाचार्या शशिकला राजेश आदि इस मौके पर उपस्थित थे। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष जयंती, छात्र प्रीत कोठारी, हिरेश तथा छात्रा पहेल ने मंच का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा सिद्धि ने किया।

संवाद जुड़ाव का और विवाद दूरियां का माध्यम होता है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रातःकालीन प्रवचन में राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें किसी भी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। संवाद जुड़ाव का माध्यम होता है जबकि विवाद से दूरियां पैदा होती हैं। सम्यक वाद ही संवाद है। मूर्ख लोग विवाद करते हैं जबकि धार्मिक लोग संवाद किया करते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि यदि संस्कार देने वाले गुरु ना होते तो आज हमारी स्थिति बहुत विकट होती। गुरु समाधान देते हैं और सावधान करते हैं। अहिंसा जैसे सिद्धांतों पर आचरण के कारण आज पूरा विश्व जैन धर्म का लोहा मानता है। लोग जैन धर्म में जन्म लेना चाहते हैं। संबंधों में पहले जैसी मधुरता नहीं रही। अहंकार हावी हो गया है। मैं बड़ा हूं, यह सोच सारी दिशा तय कर रही है। आज लोग धन के पीछे भाग रहे हैं। धर्म के बिना धन का कोई मूल्य नहीं। धर्म के रास्ते पर चलकर अर्जित किया गया धन ही सुखद हो सकता है, हमें यह बात समझ लेनी चाहिए।

साधु, संत और मुनि की व्याख्या करते हुए मुनि ने कहा कि साधु वह है जो साधना करे। जो मौन रहे वह मुनि है और जो शांत है वह संत है। जिसके मन में तेरा मेरा का भाव मिट गया वह निर्ग्रंथ है। मुनि ने इंद्रियों के सुख को क्षणभंगुर और विनाशकारी बताते हुए कहा कि पांच इंद्रियां और एक मन यदि हमारे ऊपर हावी है तो हमारा कल्याण नहीं हो सकता। मन के बस में नहीं चलना चाहिए।

मन को सेट करो नहीं तो सब कुछ अपसेट हो जाएगा। मन के बस में चलोगे तो इंद्रियों की गुलामी मिलेगी। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अवाड़ी स्थित एनजीओ रिटेन स्माइल्ज के तत्वावधान में बोहरा आई हॉस्पिटल के सहयोग से आठ जरूरतमंदों की नि:शुल्क मोतियाबिन्द सर्जरी की गई। इस मौके पर संस्थापक राहुल बोहरा, डॉ. गौरव बोहरा सहित कई लोग उपस्थित थे।

आचार्य आनंद ऋषि की जन्म जयंती पर अठाई तप महोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित श्रेयांस स्थानकवासी वर्षीतप पारणा समिति के तत्वावधान में आचार्य आनंद ऋषि की 124वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में तप अभिनंदन और प्रभु भक्ति समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर 22 अठाई तप के तपस्यार्थियों, जिनमें 12 तमिल कुष्ठ रोगी तपस्यार्थी है, उनकी अनुमोदना स्वरूप अभिनंदन किया गया। आदिनाथ जैन मंडल के मोहन- मनोज जैन ने सांध्य प्रभु भक्ति की प्रस्तुति दी। पारणा समिति के दिलीप बरमेचा और सुनील विनायकिया ने बताया कि पारणा समिति की शुरुआत उपाध्याय प्रवीण ऋषि महाराज की प्रेरणा से हुई। चेन्नई में पहली बार लगभग सौ वर्षीतप तपस्यार्थियों को सामूहिक एकातर पारणा कराने का यह प्रयास है।

इस दौरान पारणा समिति के सदस्य नवरतनमल चौरड़िया, शांतिलाल सिंघवी, जवरीलाल बरमेचा, गौतम कांकरिया, रमेश गुगलिया एवं चौका समिति के शंभू कावड़िया, कमल कोठारी, आशीष बोहरा समेत कई वर्षीतप तपस्यार्थी उपस्थित थे।

सद्गुणों को अपनाने से महापुरुष बना जा सकता है : विपुलदर्शना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम के सान्निध्य में राष्ट्रसंत आचार्य आनंदऋषिजी की 124वीं जयंती के अवसर पर गतिमान सप्त दिवसीय आयोजन के पाँचवे दिन साध्वी विपुलदर्शनाजी ने कहा कि जैसे फूलों की सुगंध पर एकाग्र होने से वही गंध स्वयं से निकलती हुई प्रतीत कर सकते है, सूर्य को एकाग्रता से देखने पर अंतरंग में प्रकाशित होता महसूस कर सकते है, ठीक वैसे ही महापुरुषों के गुणों में एकाग्रचित्त होने से स्वयं को महापुरुष जैसा महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे एक शिल्पी अतिरिक्त पत्थरों को हटाकर एक शानदार मूर्ति का निर्माण करता है, ठीक उसी तरह से स्वयं में रहे दुर्गुणों को निकालकर व सदगुणों को अपनाने से महापुरुष बना जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक विचारधारा के साथ कार्य करना चाहिये, परतंत्रता में भी स्वतंत्र विचारधारा से क्रांति लायी जा सकती है। जैसे महात्मा गांधी की अहिंसा, विनोबा भावे की सर्वोदय, लालबहादुर शास्त्री की जय जवान-जय किसान विचारधारा से क्रांति आयी थी वैसे ही आचार्य आनंदऋषि की संप्रदाय नहीं संगठन की विचारधारा से जैन समाज में क्रांति आयी थी। साध्वीश्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक नेता मौजूद रहता है, नेतृत्व मिलना आसान है परंतु नेतृत्व करना बहुत कठिन है। सकारात्मक विचारधारा, साहस, भावनात्मकता, प्रभाव-प्रेरणा एवं जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण गुणों से ही एक अच्छा नेता बन सकते है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आप से यह प्रश्न जरूर पूछे कि उसने घर-परिवार, समाज, धर्म एवं देश के लिये क्या किया है, स्वयं में रही हुई क्षमताओं का आंकलन करे तथा स्वयं के दूसरों को भी सम्भाले। संघ मंत्री अशोककुमार गुगलिया ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। शनिवार के स्वावलंबन दिवस का लाभार्थी परिवार दाकुबाई बाबुलाल पटवा परिवार रहा। संचालन संघ अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

भाव की मधुरता से रीझते हैं श्रीराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में श्रीराम कथा तथा भगवान शिवजी का अभिषेक के आठवें दिन शनिवार को सहमंत्री किशोर जेठा, सुरेशचन्द्र कोठारी, नारायणदास दम्माणी, राजन सारडा, अनिल कुमार घुरका, संतोष सारडा, सुरेश भट्टड़, देवी प्रसाद भैया के अथक प्रयास से आज करीब 125 शिवभक्तों ने अभिषेक कर पुण्यार्जन किया। सचिव बंशीलाल दलाल ने सत्संग समिति अध्यक्ष श्रीवल्लभदास कंधारी परिवार को श्रीरामचरित मानस की पूजा और महाराजश्री को माल्यार्पण करने हेतु मंच पर आमंत्रण किया।

व्यासपीठ से श्री धीरेन्द्र शास्त्रीजी महाराज ने मिथिलापुरी की अलौकिकता का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मिथिला ज्ञानियों की नगरी है। वहाँ के लोग देह के सौंदर्य पर आकर्षित नहीं होते। पर श्रीराम का सौन्दर्य तो अलौकिक है। दिव्य है। इसीलिये उनका दर्शन करके सब धन्य हुए। सीता रूप भक्ति जब ज्ञानरूप श्रीराम को प्राप्त हुई तो सबने धन्यता का अनुभव किया। जीवन की सार्थकता इसी में है कि प्रभु को अपना एकमात्र आधार जान लिया जाय फिर उनकी निरन्तर भक्ति की जाय। वन गमन की लीला का वर्णन भी इसीलिये है कि विपरीत परिस्थितियों में भी श्रीराम के जैसे धैर्य और विवेक को अपनाकर कर्तव्य का पालन किया जाय। कथाउपरांत श्री धीरेंद्र शास्त्रीजी ने सत्संग समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों को इस भव्य अनुष्ठान करने हेतु आशीर्वाद प्रदान किया।

मेट्रो ट्रेन के सामने कूद कर एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

बेंगलूरु। शनिवार को ग्रीन लाइन मेट्रो स्थित दोड्डकल्लसान्द्रा स्टेशन पर सायं 5.45 बजे एक मेट्रो ट्रेन के सामने व्यक्ति ने कूद कर आत्महत्या कर ली। 57 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति ने वहां आ रही एक ट्रेन के सामने अचानक कूद कर आत्महत्या कर ली। उसका शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं रात्रि 8.45 से ग्रीन लाइन पर ट्रेन सेवा पूरी तरह से संचालित कर दी गई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.